राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,09 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–44 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुष्पेंद्र पाल सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया शिवराज ने

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक एवं शासकीय प्रकाशन रोजगार एवं निर्माण के संपादक पुष्पेंद्र पाल सिंह के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है। चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में पीपी सर के नाम से विख्यात श्री अपने आप में पत्रकारिता के एक संस्थान थे। उन्होंने प्रदेश और प्रदेश के बाहर पत्रकारिता के अनेक विद्यार्थी गढ़े। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। चौहान ने कहा कि श्री सिंह का निधन पत्रकारिता जगत के लिए बड़ी क्षति है। वे उनके लिए एक मित्र और परिवार की तरह थे। उनका असमय जाना उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे योग्य, सरल और कर्मठ व्यक्ति थे। उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी गयी, उसका उन्होंने पूरी उत्कृष्टता से पालन किया। राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों और राजनेताओं ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। पत्रकारिता जगत से जुड़ी अनेक हस्तियों ने भी श्री सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सिंह को कल देर रात हृदयाघात हुआ। इसके उपरांत उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे लगभग 56 वर्ष के थे। वर्तमान में राज्य सरकार के उपक्रम माध्यम की ओर से प्रकाशित रोजगार एवं निर्माण के संपादक की भूमिका निभा रहे थे। वे माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के पद पर भी रहे। उन्होंने डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री हासिल की थी और इसके बाद उन्होंने वहां पर अध्यापन कार्य भी किया था।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का 'ब्राइट स्पॉट' बना भारत-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पिछले नौ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांतों को मजबूत करने में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था का %ब्राइट स्पॉट% कहा जा रहा है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से %विकास के अवसर पैदा करने के लिए वित्तीय सेवाओं की क्षमता बढ़ाना% विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार श्रृंखला की कड़ी को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार इन वेबिनारों के माध्यम से बजट के कार्यान्वयन में सामूहिक स्वामित्व और समान भागीदारी का मार्ग प्रशस्त कर रही है, जहां हित धारकों के विचार और सुझाव अत्यधिक महत्व रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने उस समय को याद किया, जब दुनिया भारत को संदेह की नजर से देखती थी। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था, बजट और लक्ष्यों पर चर्चा अक्सर एक प्रश्न के साथ शुरू और समाप्त होती है। उन्होंने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और समावेशी दृष्टिकोण में बदलाव पर प्रकाश डाला और कहा कि चर्चा के आरंभ और अंत में प्रश्न चिह्न को विश्वास (ट्रस्ट) और अपेक्षा (उम्मीदों) से बदल दिया गया है।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और वर्ष 2021-22 में सबसे अधिक एफडीआई भी आकर्षित किया है। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा विनिर्माण क्षेत्र में हुआ है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि पीएलआई योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन लगातार आ रहे हैं, जो भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है। मोदी ने

सभी से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि 08-10 साल पहले बैंकिंग व्यवस्था जो डूबने के कगार पर थी, अब लाभ में आ गई है। आज आपके पास एक ऐसी सरकार है जो लगातार साहसपूर्ण निर्णय कर रही है, नीतिगत निर्णयों में बहुत ही स्पष्टता, आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास है। इसलिए आपको भी आगे बढ़कर काम करना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि आज समय की मांग है की भारत की बैंकिंग सिस्टम में आई मजबूती का लाभ ज्यादा से ज्यादा अंतिम छोर तक पहुंचे। जैसे हमने एमएसएमई को सहयोग किया, वैसे ही भारत के बैंकिंग सिस्टम को ज्यादा से ज्यादा सेक्टर्स की हैंड होलडिंग करनी होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और समावेशी अप्रोच को लेकर चल रहा है तो एक बड़ा बदलाव भी हम देख रहे हैं। वित्तीय समावेशन से जुड़ी सरकार की नीतियों ने करोड़ों लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है। वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भरता मिशन को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए कहा, ÷वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भरता यह हमारे लिए पसंद का मुद्दा नहीं है। यह भविष्य को प्रभावित करने वाला मुद्दा है। वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भरता का विजन एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सभी हित धारकों को ऋण की लागत को कम करने, ऋण की गति को बढ़ाने और पूरी प्रक्रिया की री-इंजीनियरिंग के माध्यम से छोटे उद्यमियों तक कुशलतापूर्वक पहुंचने की दिशा में काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम गतिशक्ति की वजह से प्रोजेक्ट की प्लानिंग और उसे लागू करने में अभूतपूर्व तेजी आ गई है। हमें अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र की प्रगति के लिए काम करने वाले प्राइवेट सेक्टर को भी ज्यादा से ज्यादा सपोर्ट करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी क्षेत्र से सरकार की तरह निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ÷मैं देश के निजी क्षेत्र से भी आग्रह करूंगा कि देश में अधिक से अधिक निवेश करें, ताकि अधिक से अधिक विकास सुनिश्चित हो सके।÷ उन्होंने खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता और उच्च शिक्षा क्षेत्र को विश्वस्तरीय बनाने का आग्रह किया, ताकि भारत विदेशी मुद्रा बचा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 2013-14 के दौरान हमारा सकल कर राजस्व करीब 11 लाख करोड़ था, 2023-24 के अनुमानों के मुताबिक सकल कर राजस्व अब 33 लाख करोड़ से ज्यादा का हो सकता है। यानी भारत टैक्स रेट कम कर रहा है, बावजूद इसके कलेक्शन बढ़ रहा है। सरकार की वित्तीय समावेशन से जुड़ी नीतियों ने करोड़ों लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपीआई सिर्फ कम लागत वाली और अत्यधिक सुरक्षित तकनीक नहीं हैं, बल्कि यह दुनिया में हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि यूपीआई पूरी दुनिया के लिए वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण का माध्यम बने इसके लिए हमें काम करना है।

जल जमाव को कम करने के लिए गुवाहाटी में 89 पुलों को गिराने का आदेश

गुवाहाटी। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि शहर के एक हिस्से में जल जमाव की समस्या को कम करने के लिए शहर में लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर एक नदी पर बने 89 पुलों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। शहरी बाढ़ को कम करने के कार्य की आकस्मिक प्रकृति का हवाला देते हुए, सार्वजनिक और निजी दोनों पुलों को ध्वस्त करने का आदेश पूर्व-पक्षीय पारित किया गया था। कामरूप महानगर उपायुक्त एवं जिला प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष पल्लव गोपाल झा द्वारा जारी किया गया, आदेश में कहा गया है कि विध्वंस के निष्पादन के दौरान सार्वजनिक हस्तक्षेप या बाधा को सार्वजनिक सेवा में बाधा माना जाएगा और प्रचलित अधिनियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

गुरुवार को जारी किया गया था निर्देश

हालांकि निर्देश गुरुवार को जारी किया गया था, लेकिन इसे अधिकारियों द्वारा मीडिया के साथ साझा नहीं किया गया था। यह आदेश सोमवार को कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष देवव्रत सैकिया द्वारा मीडिया को उपलब्ध कराया गया, जिन्होंने एक बयान में इसे आम लोगों के खिलाफ सरकार द्वारा एक अमानवीय कदम करार दिया। आदेश में कहा गया है कि यह शहरी बाढ़ को कम करने के लिए आकस्मिक प्रकृति के कारण एकतरफा पारित किया गया था। आदेश में कहा गया है कि अगर इन ढांचों को तुरंत नहीं गिराया गया तो बाहिनी नदी के किनारे गाद निकालने का काम प्रभावी नहीं होगा, जिससे उस क्षेत्र के निवासियों और आम जनता को भारी कठिनाई होगी।

80 से अधिक पुलों को 2008 में किया गया था ध्वस्त-वहीं कांग्रेस नेता सैकिया ने कहा कि आदेश नदी पर उचित हाइड्रो/बाढ़ स्तर की रिपोर्ट पर आधारित होना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि गुवाहाटी में बाहिनी और भरालू नदियों पर 80 से अधिक पुलों को 2008 में ध्वस्त कर दिया गया था और मौजूदा पुलों को आवश्यक अनुमति और संबंधित विभागों से अनुमोदन के बाद बनाया गया था। असम सरकार ने हाल ही में शहर में सिलसाको बील के किनारे कथित अतिक्रमणकारियों से लगभग 400 बीघा भूमि को खाली करने के लिए एक बेदखली अभियान चलाया।

राहुल गांधी बच्चे पैदा नहीं कर सकते... कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष के बयान पर नया बवाल

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी नेताओं की बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष और लोकसभा सांसद नलिन कुमार ने राहुल गांधी पर विवादित बयान देकर नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान यह कह दिया कि राहुल गांधी शादी नहीं कर रहे हैं क्योंकि वो बच्चे पैदा नहीं कर सकते। उनके भाषण का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। यह पहली बार नहीं है जब नलिन ने ऐसा पहली बार कहा हो। हाल ही में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा था कि उन्हें सड़क और सीवरेज जैसे छोटे मुद्दों को छोड़कर लव जेहाद पर फोकस करना चाहिए। उनके बयान पर बीजेपी ने भी किनारा कर दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो क्लिप में बीजेपी सांसद नलिन कुमार कतील को यह कहते हुए सुना जा सकता है, सिद्धारमैया (कर्नाटक के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता) और राहुल गांधी ने कहा था कि (कोविड-19) वैक्सीन मत लो क्योंकि तुम्हारे

बच्चे नहीं हो सकते। लेकिन उन्होंने टीका लिया। एक दिन पहले हमारे एमएलसी मंजूनाथ ने कहा कि यही कारण है कि राहुल गांधी शादी नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनके बच्चे नहीं हो सकते। उधर, नलिन कुमार के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस ने कहा कि भाजपा नेता के पास गंभीर मानसिक मुद्दे हैं। कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने कहा, ऐसा लगता है कि उनके पास वास्तव में गंभीर मानसिक मुद्दे हैं और उनकी कम बुद्धि की बीमारी उनकी पूरी पार्टी में फैल रही है। जल्दी ठीक हो जाओ बीजेपी। बीजेपी ने भी नलिन कुमार की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह टिप्पणी का समर्थन नहीं करना चाहती। कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के सुधाकर ने कहा, मुझे नहीं पता कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने किस संदर्भ में यह टिप्पणी की है, लेकिन मैं खुद को इस टिप्पणी से दूर रखना चाहता हूं और मैं इस टिप्पणी का समर्थन नहीं करना चाहता। गौरतलब है कि पिछले महीने, नलिन कुमार ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को लव जिहाद जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा था। उन्होंने यह कहा था कि सड़क या सीवरेज जैसे छोटे मुद्दों को छोड़कर हमे लव जेहाद जैसे बड़े मामलों पर फोकस करना चाहिए।

चंद सेकंड में दुश्मन का काम तमाम करेगी ये मिसाइल

नेवी ने किया एमआरएसएएम का सफल परीक्षण

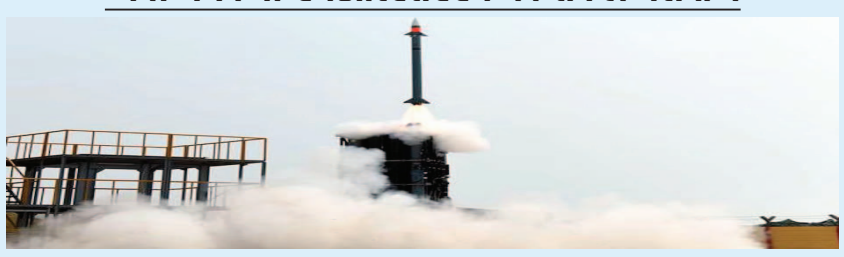

नई दिल्ली । भारतीय नेवी को एक और सफलता हाथ लगी है। नेवी ने आईएनएस विशाखापट्टनम से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। परीक्षण के दौरान एमआरएसएएम ने टारगेट पर एकदम सटीक निशाना लगया। एमआरएसएएम पूरी तरह से भारत में निर्मित है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ये एक बड़ा कदम है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्री (आईएआई) ने इसे मिलकर बीडीएल हैदराबाद में विकसित किया है।

शराब घोटाले में ऐक्शन में ईडी, हैदराबाद से पकड़ा कारोबारी; सिसोदिया से जेल में करेगी पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को जांच एजेंसी ने अरुण रामचंद्र पिल्लई को गिरफ्तार कर लिया है। बीते सप्ताह ही सीबीआई ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार कर लिया था। अब ईडी भी उनसे पूछताछ करने जा रही है।

सिसोदिया से पूछताछ

खबर है कि मंगलवार को 11 बजे के बाद सेल नंबर 1 में रखे गए सिसोदिया से ईडी की टीम पूछताछ करेगी। सूत्रों का कहना है कि अब ईडी की ओर से भी आप नेता की गिरफ्तारी की जा सकती है। इसका मतलब है कि उन्हें सीबीआई की ओर से दर्ज मामले में राहत मिल भी जाती है तो

उन्हें ईडी के शिकंजे में रहना होगा।

सीबीआई की हिरासत के बाद अदालत ने कल ही सिसोदिया को जेल में भेजने का आदेश दिया था। इससे पहले भी शराब घोटाले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। खबरें हैं कि ईडी गवाहों के बयान दिखाकर सिसोदिया से पूछताछ कर सकती है।

कौन है पिल्लई

कथित शराब घोटाले की जांच के दौरान इथ ग्रुप का नाम भी सामने आया था। आरोप थे कि आप नेताओं को इस ग्रुप से भी 100 करोड़ रुपये मिले थे। खुलासा हुआ था कि इस साउथ ग्रुप में YSRCP सांसद मगुंता श्रीनिवासुलु रेड्डी, बेटे मगुंता राघव रेड्डी और भारत राष्ट्र समिति की एमएलसी के कविता शामिल थीं। इन नेताओं का काम अरुण रामचंद्र पिल्लई भी देख रहे थे। इसके अलावा ग्रुप से अभिषेक बोनपल्ली, सीए बुचीबाबू गोरंतला और पी शरद चंद्र रेड्डी का नाम भी सामने आया था।

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए केंद्र ने जारी किए नए नियम, उल्लंघन करने पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। डिजिटल विज्ञापनों से जनता को गुमराह होने से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर मशहूर हस्तियों, इन्फ्लुएंसर्स के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि लोगों को उत्पाद के विज्ञापन से भ्रमित न किया जा सके।

डिस्क्लेमर देना अनिवार्य

नए दिशानिर्देशों के अनुसार, इंटरनेट मीडिया पर लाखों फालोअर्स रखने वाले इन्फ्लुएंसर्स को अब किसी भी प्रचार सामग्री में अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर देना अनिवार्य बनाया गया है। बता दें कि सरकार ने कुछ समय पहले भी गाइडलाइन जारी की थी, जिसमें उल्लंघन करने वालों पर लाखों के जुर्माने का प्रविधान किया गया है। इसके अलावा, अगर इन्फ्लुएंसर्स गाइडलाइंस का उल्लंघन करते हैं तो उत्पाद के उनके समर्थन पर प्रतिबंध लगाने का भी उल्लेख है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अधिकारियों ने ये फैसला डिजिटल प्लेटफार्म और इंटरनेट

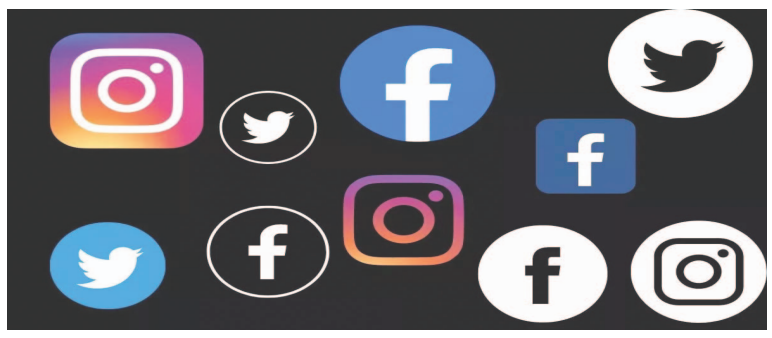

मीडिया, जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर इन्फ्लुएंसर्स की प्रगति पर विचार-विमर्श के बाद आया है। मंत्रालय का कहना है कि ये नियम उन सभी पर लागू होते हैं, जो किसी भी उत्पाद, सेवा या ब्रांड के बारे में खरीदारी के फैसले या खरीदारों की राय को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

आसान और स्पष्ट भाषा में होना चाहिए विज्ञापन

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, इसमें न केवल लाभ और प्रोत्साहन शामिल हैं, बल्कि मौद्रिक या अन्य मुआवजा, यात्राएं या होटल में ठहरना, कवरेज और पुरस्कार, शर्तों के साथ या बिना शर्तों के फ्री प्रोडक्ट, डिस्काउंट, गिफ्ट्स और कोई भी पारिवारिक या व्यक्तिगत या रोजगार संबंध शामिल हैं। इसके अलावा विज्ञापन को आसान और स्पष्ट भाषा में बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा विज्ञापन, प्रायोजित या पेड प्रमोशन जैसे शब्दों के उपयोग में किए जाने चाहिए।

उक्त नियमों के किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप अपराध की गंभीरता के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। उन्हें उल्लंघन के लिए विज्ञापन देने से भी प्रतिबंधित किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मोहन भागवत और राहुल गांधी

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

देश के अखबारों में छपे दो भाषणों पर आपका ध्यान जाए तो आपको आनंद और दुख एक साथ होंगे। आनंद देनेवाला भाषण तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक के मुखिया मोहन भागवत का है और दूसरा दुखद भाषण राहुल गांधी का है। भागवत ने कहा है कि अंग्रेजों के आने के पहले भारत में 70 प्रतिशत लोग शिक्षित थे जबकि इंगलैंड में उस समय सिर्फ 17 प्रतिशत अंग्रेज शिक्षित थे। अंग्रेजों ने, खासकर लॉर्ड मैकाले ने जो शिक्षा पद्धति भारत में चलाई, उसके कारण भारत में शिक्षितों की संख्या घटती गई। आज भारत के साक्षरों की संख्या सिर्फ 77 प्रतिशत है जबकि चीन, जापान, श्रीलंका, ईरान जैसे देशों में वह संख्या 90 से 99 प्रतिशत है। भारत के ये लोग शिक्षित नहीं माने जा सकते हैं। इन्होंने कोई विशारद या शास्त्री या एम.ए.-बी.ए. पास नहीं किया है। ये केवल साक्षर हैं याने सिर्फ अक्षरों और अंकों को जानते-पहचानते हैं। इतनी बड़ी संख्या भी इन लोगों की पिछले 15-20 साल में बढ़ी है। इसका मूल कारण है, हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली। इसमें आजकल बड़ी ठगी चल रही है। छात्रों की फीस कई कॉलेजों में 50-50 हजार रु. महिना हो गई है, जबकि भारत के गुरूकुलों में कोई फीस नहीं होती थी। सारे ब्रह्मचारियों को भोजन, वस्त्र और निवास की सुविधाएं नि:शुल्क होती थी। मैं खुद चित्तौड़गढ़ के आर्य गुरूकुल में कुछ समय तक पढ़ा हूं। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारत को दो टुकड़ों में बांटने का काम करती है। एक टुकड़ा अंग्रेजीदां लोगों का और दूसरा स्वभाषाओं का! अंग्रेजी टुकड़ा ऊँची जात बन गया है। वही इस गुलामी के ढांचे को जिंदा रखे हुए हैं। वह खुद नकलची है और हर साल वह लाखों नकलचियों को पैदा करता रहता है। इनमें से जो ज़रा ज्यादा उस्ताद हैं, वे अमेरिका और ब्रिटेन में जाकर माल सूंतते हैं। भागवतजी ने चिकित्सा की लूटपाट की तरफ भी हमारा ध्यान आकर्षित किया है। हमारे वैद्य लोग मरीजों से कोई शुल्क नहीं मांगते थे। इसका 60-70 साल पहले मुझे खुद अनुभव रहा है। वैद्यों को मरीज़ लोग या तो दवा का पैसा देते थे या वहां रखे दानपात्र में कुछ राशि डाल देते थे। मोहन भागवत के कथन से सीख लेकर यदि मोदी सरकार हमारी शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में कोई बुनियादी परिवर्तन कर सके तो देश को उसका यह स्थायी योगदान होगा। राहुल गांधी ने लंदन में कहा कि संघ और भाजपा भारत में सांप्रदायिक घृणा फैलाते हैं। क्या राहुल को इस ताजा खबर की भनक लगी है कि शिमला के एक मंदिर में, जिसे विश्व हिंदू परिषद चलाती है, एक मुस्लिम जोड़े का विवाह संपन्न हुआ है। इस विवाह में दूल्हा इंजीनियर और दुल्हन एम.टेक है। एक मौलवी ने कुरान की आयतें पढ़कर यह निकाह करवाया है। राहुल को मोहन भागवत के इस कथन पर भी ध्यान देना चाहिए कि भारत के हिंदू और मुसलमानों का डीएनए एक ही है। हमारा कोई भी नेता इतना पढ़ा-लिखा नहीं है कि उसे केंब्रिज या ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी भाषण देने के लिए बाकायदा बुलाए लेकिन कुछ भारतवंशी कांग्रेसी छात्रों या संगठनों ने आपको बुला लिया तो उस अवसर का आपको सदुपयोग ही करना चाहिए।

रोजगार संभावनाओं में हिंसक प्रवृत्तियों का समाधान

राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत लोग महात्मा गांधी द्वारा बताए गए अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे। भारत सरकार की उस खोज में उनके साथ जुटेंगे जहां अंग्रेजीयत से छुटकारा पाकर इतिहास का पुनर्लेखन हो रहा है। वह इस देश के दबे-कुचले परन्तु वीर लोगों का स्वाधीनता संग्राम को लेकर स्मरण है। जिस संग्राम ने इस देश पर 150 वर्ष शासन करने वाले विशाल अंग्रेजी साम्राज्य से मुक्ति दिलाई। लेकिन अब देश के आजाद हो जाने के बाद इतिहास के रणबांकुरों की खोज-सम्मान, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा की स्थापना, अध्यात्म और योग को पुन- महत्व देने के बावजूद जो चित्र उभरकर आ रहा है उसमें नयी पीढ़ी राह से भटकी लगती है।

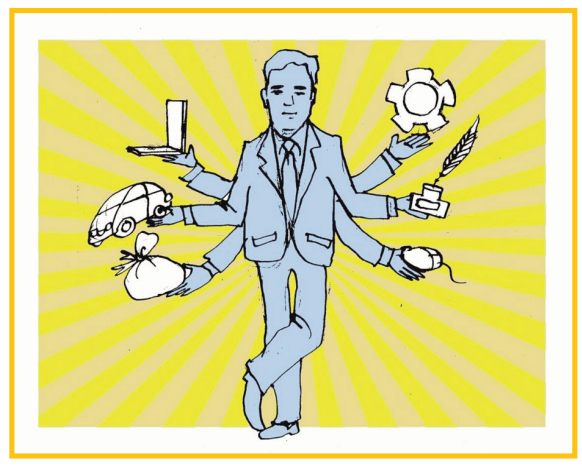

सुरेश सेठ

भारतीयता की बात कहते हुए इस देश के नागरिकों के भाल गर्व से ऊंचे हो जाते हैं क्योंकि भारतीयता उस आधार पर खड़ी है जिसे हम नैतिक संस्कृति की अदम्य ज्वाला कहते हैं। जो हमारी पाठशालाओं से लेकर अध्यात्म केन्द्रों और देश के बहुत से नागरिकों के अंतस तक में पैठ जमाकर बैठी है। यह वह अनोखी नैतिक संस्कृति है जिसने पंजाब में ऋग्वेद को जन्म दिया। कुरुक्षेत्र से भगवान कृष्ण का गीता का वह उपदेश हुआ जो आज भी भ्रम में पड़े लोगों को रास्ता दिखाने में चूकता नहीं। पिछला वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर अमृत महोत्सव मनाने का था इसलिए देश के कोने-कोने से राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हुए 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' का स्वर उठता रहा। वंदे मातरम की ध्वनि पंजाब में फिर से गूंजी। वहां शहीद-ए-आजम भगत सिंह का स्मरण भी आम लोगों के मन में नई ऊर्जा पैदा करने लगा। अब खबर है कि उत्तर प्रदेश में शहीद चंद्रशेखर आजाद की 151 फुट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी, जो दुनिया में किसी भी क्रांतिकारी की सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत लोग महात्मा गांधी द्वारा बताए गए अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे। भारत सरकार की उस खोज में उनके साथ जुटेंगे जहां अंग्रेजीयत से छुटकारा पाकर इतिहास का पुनर्लेखन हो रहा है। वह इस देश के दबे-कुचले परन्तु वीर लोगों का स्वाधीनता संग्राम को लेकर स्मरण है। जिस संग्राम ने इस देश पर 150 वर्ष शासन करने वाले विशाल अंग्रेजी साम्राज्य से मुक्ति दिलाई। लेकिन अब देश के आजाद हो जाने के बाद इतिहास के रणबांकुरों की खोज-सम्मान, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा की स्थापना, अध्यात्म और योग को पुन- महत्व देने के बावजूद जो चित्र उभरकर आ रहा है उसमें नयी पीढ़ी राह से भटकी लगती है। नैतिक संस्कृति के पहरुए अर्थ नीति के विघटन के साथ-साथ मौन क्यों हो गये लगते हैं? भौतिकवादी मूल्यों ने कुछ इस प्रकार देश के आम लोगों को घेर लिया कि नैतिकता की बातें करना काल्पनिक सा लगता है। इसकी जगह स्वार्थ साधने की प्रवृत्ति मुखर हो गई है। शार्टकट के रास्ते का बोलबाला है। ऐसा कि अपना काम साधने के लिए अगर हिंसा का सहारा भी लेना पड़े तो कोई हर्ज नहीं। देश में ऐसी बातें उभरकर आ रही हैं कि जो शायद आज से पचास वर्ष पहले सोची भी नहीं जा सकती थीं। देश और विशेष रूप से पंजाब की जेलों को ही लें। इन जेलों का नाम सुधार गृह रखा गया था। समझा गया कि जेल काटने वाले अपराधी नैतिक मूल्यों का पुन- सृजन अपने अंतस में करेंगे और जेल काटने के बाद जिम्मेदार नागरिक बनकर बाहर आएंगे। लेकिन जब बाहर भी भौतिकवादी मूल्यों का बोलबाला हो, जब माफिया तंत्र ही एकमात्र सत्य लगे ,जब जेल की दीवारों में कैद गैंगस्टरों के 'लिंक' विदेशों तक जुड़ जाएं और ये लोग मिल-जुलकर एक ऐसी बंदूक संस्कृति को जन्म दे दें जिसमें से फिरौतियों और धमकियों, गोलीबारी और लूटमार का माहौल बाहर आता नजर आए। सरकार किंकर्त्तव्यविमूढ़ नजर आए और नये भौतिकवादी मूल्यों के प्रसार से आम जनता त्रस्त और आक्रांत हो तो ऐसे समाज के चेहरे को फिर से स्वच्छ घोषित करना बड़ी चुनौती है। जो कुछ तरनतारन की जेल में हुआ, वह उन सभी घोषणाओं के विपरीत था जिसमें यह कहा गया था कि अब जेलों में कैद अपराधी तत्वों को उनकी जगह बता दी जाएगी। उन्हें जेल के अधिकारियों के साथ मिलकर नशे का अवैध व्यापार नहीं करने दिया जाएगा, उनके पास चोरी से पहुंचे मोबाइलों को जैमर लगा दिये जाएंगे। बाहर के अपराधी गठजोड़ करके सार्वजनिक जीवन व जेलों के इस माहौल को भी हिंसा की रणस्थली नहीं बनाएंगे। लेकिन बीते रविवार को केन्द्रीय जेल गोइंदवाल साहिब में गैंगवॉर हो गई। एक गुट ने दूसरे गुट के दो सदस्यों की हत्या कर दी। तीन अन्य घायल हो गए। मरने वाले दोनों एक कुख्यात गैंग के सदस्य थे। इस माहौल के हालात देखिये कि कनाडा में बसे एक गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर इस भिड़ंत की जिम्मेदारी ले ली। यह सारा घटनाक्रम लोगों को भयभीत कर देता है। इन सब गैंगस्टरों की जड़ें सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल गैंगस्टरों तक जाती हैं जो इस समय आपस में दो गुटों में बंट चुके हैं। इस मामले में हालांकि जेल सुपरिंटेंडेंट ने कह दिया है कि वह छुट्टी पर था, सूचना मिलते ही जेल पहुंचा, अब मामले की जांच हो रही है। लेकिन जांच-पड़ताल करने और कानून के रखवालों द्वारा आक्रामक रवैया अपनाने की बातें पंजाब की जेलों से लेकर पंजाब के आम लोगों और वहां से चलकर दिल्ली तक फैली हैं। यह निर्मम माहौल है जहां ऐसे हत्याकांड हो रहे हैं जिनकी आदमी कल्पना भी नहीं कर सकता। व्यक्तियों को मारकर अंगों को जंगलों में फेंका जा रहा है । दरअसल, बेकार युवाओं को काम से नहीं बल्कि अनुकम्पा घोषणाओं से बहलाने का प्रयास होता है। इसी कारण वे बेरोजगार होकर नशे और बंदूक माफिया के चंगुल में फंस रहे हैं। अधोपतन इतना कि आज कहीं भी स्थापित नैतिक मूल्य का कोई दम नहीं भरता। निस्संदेह सांस्कृतिक जीवन में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना एक ऐसा भारतीय राष्ट्रवादी कर्म है जो जल्द से जल्द स्थापित हो जाना चाहिए। अगर हमने इस देश को अपने कर्त्तव्य-पथ पर चलते हुए उसे पुण्य-पथ की संज्ञा देनी है। ऐसी ही संज्ञा देश के रहनुमाओं द्वारा दी जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि देश ने तरक्की करके दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। कभी अपने शासक रहे ग्रेट ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया और अब जल्दी ही तीसरा स्थान ग्रहण कर लेने की विकास संभावनाओं की घोषणा हो रही है। लेकिन ऐसी विकास संभावनाओं में ये खतरनाक प्रवृत्तियां एक ऐसा अनैतिक संकट खड़ा कर रही हैं जिससे पार पाना आसान तो नहीं होगा। इनसे पार पाने के लिए न तो अध्यात्म, न योग, न पुस्तकों का पुनर्लेखन काफी है। जरूरी है तो जो जिस योग्य है उसको उसीके मुताबिक इस देश में काम मिले, रोजी-रोजगार मिले और वह इस स्वाभिमान से भर जाए कि वह अपने बूते अपनी रोटी कमा रहा है। लेकिन ऐसी कोई कार्य योजना फिलहाल नजर नहीं आ रही। केवल कह दिया जाता है कि सरकार और निजी क्षेत्र की क्षमता इस देश के केवल 30 प्रतिशत युवाओं को रोजगार देने की है। 70 प्रतिशत लोग तो रोजगार तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। लेकिन प्रशिक्षण, प्रोत्साहन के अभाव में स्टार्टअप उद्योगों के आंकड़े देश के भाग्य नियंताओं को चेतावनी देते हैं कि कहीं बात मूल रूप से गलत हो रही है। दरअसल, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना स्वाभिमान पूर्ण रोजगार की गारंटी से ही हो सकती है।

लेखक साहित्यकार हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

अलेस जैसे योद्धा से पूछिए लोकतंत्र की अहमियत

अलेस बियालियात्स्की, नोबेल विजेता

वास्तविक लोकतंत्र हासिल करने या उसकी हिफाजत के लिए दुनिया भर में जैसी-जैसी कीमत चुकाई गई या चुकाई जा रही है, वह बताती है कि क्यों इसकी रक्षा की जानी चाहिए। मौजूदा दौर में इसकी लड़ाई लड़ने वाले बड़े योद्धाओं में एक नाम है अलेस बियालियात्स्की, जिन्हें बेलारूस की एक अदालत ने इसी शुक्रवार को 10 वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। साल 2022 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित अलेस अपने देश की तानाशाह सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। आज से करीब साठ साल पहले सितंबर 1962 में रूस के एक छोटे नगर व्यर्तसिला में अलेस पैदा हुए। माता-पिता मूलत: बेलारूसी थे, मगर बेहतर नौकरी व अच्छी तनख्वाह का आकर्षण उन्हें उस रूसी कस्बे में खींच लाया था। तब सोवियत संघ का जमाना था और दूर-दूर तक उसके अंत का कोई अंदेशा न था। नई-नई फैक्टरियों के साथ नए-नए नगरों का उदय हो रहा था और तमाम उम्मीदें समेटे लोग उनमें बसने चले आते थे। बालक अलेस के माता-पिता भी बेलारूस में नए बस रहे शहर स्वेतलाहोर्स्क में रहने आ गए थे। अलेस की स्कूली पढ़ाई इसी शहर में हुई।

स्कूली जीवन में साहित्य और नागरिक आंदोलनों के अध्ययन से वह इस कदर प्रभावित हुए कि जब गोमल स्टेट यूनिवर्सिटी के इतिहास एवं दर्शनशास्त्र विभाग ने स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले का प्रस्ताव किया, तो अलेस को लगा, जैसे कोई मुराद पूरी हो गई। इस दौरान उन्होंने वैश्विक साहित्य और नागरिक संघर्षों के बारे में खूब पढ़ा। साल 1984 में 22 साल के अलेस के हाथों में पहले स्नातक की डिग्री आई, और फिर लीचित्से में शिक्षक के तौर पर नियुक्ति की चिट्ठी। जिंदगी को मनचाहा मुकाम मिल गया था। वह खुश थे, क्योंकि पढ़ाने-पढ़ने का सिलसिला कायम रहने वाला था। अलेस को स्कूल में पढ़ाते हुए अभी कुछ महीने ही बीते होंगे कि एक दिन अनिवार्य सैन्य सेवा का फरमान आ गया। आदेश मिला था कि वह रूस के स्वेर्डलावस्क इलाके में बख्तरबंद गाड़ियों के चालक के तौर पर अपनी सेवाएं दें। चूंकि ऐसी सैन्य सेवाएं सीमित अवधि की होती हैं, इसलिए जल्द ही वह अपनी किताबों और नागरिक गतिविधियों की दुनिया में लौट आए। हालांकि, युवा मन बार-बार एक किताबी फलसफे से उलझ जाता कि देश-समाज के लिए जीवन काम न आया, तो भला यह किस काम का? कुछ सार्थक हस्तक्षेप की सोच से प्रेरित हो 1986 में अलेस ने नौजवान लेखकों का एक संगठन बनाया और इसके जरिये वह बेलारूसी साहित्य व संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करने लगे।

सोवियत संघ का विघटन करीब था, क्षेत्रीय आकांक्षाएं और अस्मिताएं जोर मारने लगी थीं। ऐसे में, बेलारूस के इतिहास और उसके शहीदों की गौरव-गाथा के जरिये अलेस ने भी लोगों को बेलारूसी पहचान के प्रति जागरूक करने का काम शुरू कर दिया। उन्हें और उनके साथियों को लगता था कि अब जन-आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाला लोकतंत्र बस चंद कदम दूर है। आखिरकार वह दिन भी आया, जब सोवियत संघ बिखरा और दुनिया के मानचित्र पर 15 नए मुल्क उभर आए। उनमें एक बेलारूस भी था।

अलेस उन दिनों 'म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ बेलारूसियन लिटरेचर' में शोध सहायक के रूप में कार्यरत थे। एक नए देश को अपने पैरों पर खड़ा होने में वक्त तो लगता ही है, लेकिन अलेस और उनके जैसे युवकों को जल्द ही एहसास हो गया कि बेलारूस का नया निजाम आर्थिक-राजनीतिक उदारीकरण, यानी तंत्र के लोकतंत्रीकरण के प्रति गंभीर नहीं है। इस देश के वजूद में आने के चंद वर्षों के भीतर ही 1995 में सरकार के खिलाफ माहौल बनने लगा। उन्हीं दिनों के उसके एक कदम ने आग में घी डालने का काम किया। सरकार ने यह कहते हुए बेलारूसी भाषा को अमान्य करार दे दिया कि यह रूसी जुबान का विकृत रूप है।

साल 1996 के वे बसंत के दिन थे, लोग सरकार के इस फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतर आए, वर्चस्ववादी सत्ता भी अपने असली रंग में आ गई। इस आंदोलन को दबाने के लिए उसने बर्बर तरीके अपनाए, लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। तब अलेस ने इस आंदोलन के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों व उनके परिवारों की मदद की खातिर 'वियस्ना96' संगठन की शुरुआत की। इसके जरिये वह लोगों को कानूनी मदद दिलाने लगे। साल 1999 में अलेस ने इस संस्था को देश के नियमों के तहत एक मानवाधिकार संगठन के रूप में पंजीकृत कराया। फिर वह देश भर में घूम-घूमकर नागरिक अधिकारों और वास्तविक लोकतंत्र की खूबियों से लोगों को आगाह करने लगे। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको को भला यह कैसे गवारा होता? उन्होंने इसे अपने एकछत्र राज्य को चुनौती के रूप में लिया। आखिरकार 2001 के राष्ट्रपति चुनाव में वियस्ना की भूमिका को अनुचित ठहराते हुए वहां के सुप्रीम कोर्ट ने उसका पंजीकरण रद्द कर दिया। मगर अलेस सत्ता-उत्पीड़ित लोगों के हक की लड़ाई लड़ते रहे।

अलेस की इस मुहिम को अब दुनिया भर में पहचान मिलने लगी थी। उनके संगठन को विदेशी दानदाता संस्थाओं से मिली आर्थिक मदद में वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए साल 2011 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अलेस को साढ़े चार वर्ष की सजा सुनाई गई। हिरासत में उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा, मगर वह टूटे नहीं। 2014 में रिहाई के बाद वह फिर लोगों की मदद करने पहुंच गए। 29 वर्षों से बेलारूस की सत्ता पर काबिज लुकाशेंको को अलेस की सक्रियता इतनी खटकी कि उन्हें फिर 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर कई मुकदमे लाद दिए गए हैं, कई वर्ष की सजाएं सुनाई गई हैं। मगर इस दमन ने अलेस को लोकतंत्र की लड़ाई के महानायक के रूप में स्थापित कर दिया है।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

विचार मंथन

73 साल में नहीं बना निर्वाचन आयोग कानून

(लेखक - सनत जैन)

संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 324 में लिखा था कि संसद निर्वाचन आयोग गठन करने कानून बनाएगी। संविधान लागू हुए 73 साल हो गए हैं। 73 साल से सरकार की मनमर्जी से निर्वाचन आयोग काम कर रहा है। देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव हो रहे हैं। समय-समय पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली निष्पक्षता को लेकर विवाद उत्पन्न होते रहे हैं। उसके बाद भी संसद 73 सालों में कानून बनाने मैं सफल नहीं हो पाई या यों कहें कि सरकार और राजनीतिक दल निर्वाचन आयोग के लिए कानून बनाने पर सहमत नहीं हुए। केंद्र में कई राजनीतिक दलों और गठबंधन की सरकारें आई और गई। 1977, 1989, 1996 से 2004 तथा 2014 से अभी तक केन्द्र में गैर कांग्रेस सरकारें बनी, लेकिन निर्वाचन आयोग से संबंधित कानून संसद में नहीं बन पाया। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्वाचन आयोग का गठन होने तक प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सर्वोच्च न्यायाधीश को मिलाकर एक नई कमेटी बनाई है। जो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगी। उसी के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेंगे। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है। उसके बाद अब संसद की भी प्राथमिकता होगी, कि वह जल्द से जल्द निर्वाचन आयोग कानून बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाए। 70 के दशक में सबसे पहले जयप्रकाश नारायण द्वारा चुनाव सुधारों की जरूरत को प्रतिपादित किया था। उनकी मांग पर न्यायमूर्ति बीएम तारकुंडे की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। 1975 में इसकी रिपोर्ट भी आ गई थी। इसके बाद से कई कमेटियां आयोग की कार्यप्रणाली और निष्पक्ष चुनाव को लेकर समय-समय पर बनी। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी गठित हुई थी। 1998 में इंद्रजीत गुप्ता कमेटी ने चुनाव सुधार के लिए बहुत महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे। 1999 में विधि आयोग में 170 पृष्ठ की रिपोर्ट भी जारी की। जिसमें व्यापक स्तर पर चुनाव सुधारों की सिफारिश की गई थी। इन सब के बावजूद सरकार ने निर्वाचन आयोग के नियम कानून और गठन के बारे में कानून बनाने की कोई पहल नहीं की। जिसके कारण पिछले 73 सालों से मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्त सरकार के विवेक से नियुक्त होते रहे हैं। वर्तमान में जो कानून प्रच लित हैं उन्हीं कानूनों के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में टी एन सेशन का कार्यकाल सबसे चर्चित कार्यकाल रहा। शेषन ने पूरी निष्पक्षता के साथ चुनाव कराने के लिए हर संभव प्रयास किए। वह कभी भी केंद्र सरकार और राजनीतिक दलों के दबाव में नहीं आए। जिसके कारण चुनाव आयोग की साख पूरे देश और दुनिया में बनी। उनके जाने के बाद से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियु क्ति सरकार मनमाने तरीके से कर रही है। उसके बाद से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर संदेह उत्पन्न होने लगा है। निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जनप्रतिनिधि कानून की धारा 77 महत्वपूर्ण है। 1975 में सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में उठे विवाद पर महत्वपूर्ण फैसला दिया था। उम्मीदवार के दोस्तों, एजेंटों और राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले खर्च को भी उम्मीदवार के खर्च से जोड़ा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस राय को सरकार ने नहीं माना। सरकार ने एक अध्यादेश जारी करके जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 की उप धारा 1 में नई व्याख्या जोड़कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निष्प्रभावी कर दिया था। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए केंद्र सरकार को दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। किंतु उनका पालन नहीं हुआ। जिससे चुनाव आयोग की साख वर्तमान में सबसे निम्न स्तर पर पहुंच गई है। विशेष रूप से पिछले 8 वर्षों में नेता प्र तिपक्ष को शा मिल किये बिना सरकार जिस तरह से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कर रही है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्ति करने के पूर्व निष्पक्ष आयुक्तों के चयन में लापरवाही बरती है। चुनाव आयुक्त पर अब सरकार के इशारे पर निर्णय करने के आरोप लग रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में भी अब प्रश्न चिन्ह लगने शुरू हो गए हैं। चुनाव सुधार के नाम पर केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रोल बॉन्ड्स के जरिए चुनावी चंदा लेने की जो व्यवस्था बनाई थी। उसमें भी बहुत सारी विकृतियां सामने आई हैं। इलेक्ट्रोल बांड के सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में भाजपा सामने आई है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। संसद के लिए 73 साल कानून बनाने के लिए कम नहीं थे। जब संसद अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असफल साबित हुई।

किला कॉरेंस डीजल आईएमटी पावरट्रेन के साथ लांच होगी

मुंबई । किआ बहुत जल्द बाजार में कॉरेंस को डीजल आईएमटी पावरट्रेन के साथ लांच करने वाली है। इसके अलावा और कार निर्माता नए बेस वेरिएंट को पेश करने पर भी काम कर रही है। इस नए ट्रिम को कॉरेंस लाइन-अप में प्रीमियम ट्रिम के नीचे प्लेस किया जाएगा। वर्तमान में किआ कॉरेंस 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क-कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स ऑप्शन के साथ आती है। इसके अलावा 1 अप्रैल, 2023 से रियल ड्राइविंग एमिशन नॉर्म्स के अनुसार इस कार में अपडेट देखने को मिलने वाले हैं। अन्य अपडेट्स में किआ बेस 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन को भी अपडेट किया जाएगा। कंपनी ने अपने फ्यूचर प्लान को लेकर हाल ही में घोषणा की थी कि वह 2025 तक दो स्थानीय रूप से निर्मित ईवी लाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। बता दें कि किआ द्वारा जल्द ही भारत में केए4 एमपीवी और सेल्टोस फेसलिफ्ट को लांच किए जाने की उम्मीद है।

ईवी के लिए कच्ची सामग्री, बैटरी उत्पादन से चीन पर बढ़ेगी भारत की निर्भरताः जीटीआरआई

नई दिल्ली । बिजली से चलने वाले वाहनों का भारत में विनिर्माण होने से कच्ची सामग्री, खनिज प्रसंस्करण और बैटरी उत्पादन के लिए देश की निर्भरता चीन पर बढ़ जाएगी। आर्थिक विचार समूह ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। जीटीआरआई ने इस रिपोर्ट में कहा कि बैटरी निर्माण, निस्तारण और चार्जिंग के दौरान प्रदूषक तत्व निकलते हैं। इसके अलावा भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों या ईवी के विनिर्माण में लगने वाली करीब 70 फीसदी सामग्री चीन तथा अन्य देशों से मंगवाई जाती है। इसमें कहा गया है कि ईवी के लिए कच्ची सामग्री, खनिज प्रसंस्करण और बैटरी उत्पादन के मामले में भारत की निर्भरता चीन पर बढ़ जाएगी। जीटीआरआई ने कहा कि विश्व स्तर पर बनने वाली हर चार बैटरी में से तीन का निर्माण चीन करता है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका में सबसे बड़ी लिथियम खदानें चीन के अधिकार में हैं। रिपोर्ट में ईवी से संबंधित ऐसे 13 मुद्दों की पहचान की गई है जो उपभोक्ताओं, उद्योग तथा सरकार के हितों से जुड़े हैं और जिनका आकलन करना चाहिए।

एनएसई ने अडानी इंटरप्राइजेस को सर्विलांस मोड से हटाया

मुंबई । अडानी ग्रुप को शेयरों में पिछले कुछ दिनों से उछाल के साथ ही होली का बड़ा तोहफा मिल है, जिससे अडानी ग्रुप को बड़ी राहत मिली है क्योंकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज को शॉर्ट टर्म एडिशनल सर्विलांस फ्रेमवर्क से हटाने का फैसला किया है। एनएसई ने अडानी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप के तीन शेयरों को तेजी से गिरावट के कारण इस फ्रेमवर्क में डाल दिया था लेकिन शेयरों में उछाल आने के बाद अडानी ग्रुप के तीन शेयरों को फिर से फ्रेमवर्क से बहाल कर दिया जाएगा। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी, जिसके कारण एनएसई ने अडानी इंटरप्राइजेस से हित ग्रुप के तीन शेयरों को इस फ्रेमवर्क में डाल दिया था लेकिन पिछले पांच सत्रों में अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी तेजी आई है। इस दौरान अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 90 फीसदी चढ़ा है। एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज को बुधवार से इस फ्रेमवर्क से हटा दिया जाएगा।

यूपीआई से हर दिन का ट्रांजैक्शन 36 करोड़ से ज्यादाः शक्तिकांत दास

(एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को जानकारी दी कि यूपीआई से पेमेंट में एक साल में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह 36 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुका है जबकि फरवरी 2022 के दौरान ये आंकड़ा 24 करोड़ था। आरबीआई मुख्यालय में डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह की शुरुआत करते हुए गवर्नर ने जानकारी दी कि प्राइस के लिहाज से देखें तो ये लेनदेन 6.27 लाख करोड़ रुपए है, जो फरवरी 2022 में दर्ज 5.36 लाख करोड़ रुपए से 17 फीसदी ज्यादा है। गवर्नर ने ये भी कहा कि कुल मासिक डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन पिछले तीन माह से हर बार 1 हजार करोड़ रुपए के आंकड़ों को पार कर रहा है। शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत के यूपीआई पेमेंट सिस्टम की चर्चा ग्लोबली स्तर पर हो रही है। कई देश यूपीआई पेमेंट को लेकर रुचि दिखा रहे हैं। दिसंबर 2022 के बाद हर महीने 1 हजार करोड़ के ज्यादा ट्रांजेक्शन हुए हैं। पैन इंडिया डिजिटल पेमेंट के एक सर्वे में ये पाया गया कि 42 फीसदी लोग डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं।

यूपीआई से पेमेंट करने वालों की संख्या भी बढ़ी

यूपीआई लेनदेन की संख्या जनवरी 2023 में 800 करोड़ से अधिक हो गई, जबकि एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर) ने 28 फरवरी को 3.18 करोड़ लेनदेन की ज्यादा ट्रांजैक्शन की है। **UPI** को 2016 में लॉन्च किया गया था। तब से लेकर ये एक फेमस और पसंदीदा पेमेंट मोड के रूप में उभरा है।

पीएफ पर ब्याज दर तय करने बैठक 25-26 मार्च को

नई दिल्ली । मौजूदा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पीएफ पर ब्याज दर तय करने को लेकर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सीबीटी यानी केंद्रीय न्यासी बोर्ड की बैठक 25-26 मार्च को होने जा रही है। हर साल मार्च में बोर्ड की बैठक के दौरान ब्याज दरों पर फैसला होता है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए जो ब्याज दर तय की गई थी वो 43 साल में सबसे कम थी। पिछले साल पीएफ पर ब्याज दर को 8.5 फीसदी से घटाकर 8.1 फीसदी कर दिया गया था। वित्त वर्ष 2020-21 में पीएफ के ब्याज की दर में कोई बदलाव नहीं किया गया था। इससे ठीक एक साल पहले 2019-20 में ब्याज दर को 8.65 फीसदी से घटाकर 8.5 फीसदी किया गया था। मार्च 2022 में सीबीटी ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ईपीएफओ के 6 करोड़ से अधिक सक्रिय ग्राहकों के लिए 8.1 फीसदी ब्याज दर की सिफारिश की थी, जिससे अनुमानित सरप्लस 450 करोड़ रुपए रह गया। सूत्रों के मुताबिक ईपीएफओ मौजूदा 8.1 फीसदी की ब्याज दर को बरकरार रख सकता है। इक्विटी निवेश में ऊंचे रिटर्न की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया जा सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने एप्पल के शेयरों को दी खरीदने की सलाह

नई दिल्ली । ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने छह साल में पहली बार एप्पल के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। कंपनी के शेयर वैल्यू में हुए इजाफे के बाद गोल्डमैन ने एप्पल को लेकर अपना रुख बदला है। एप्पल के शेयर अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज पर 6 मार्च को 1.85 फीसदी के उछाल के साथ 153.83 डॉलर (12591.35 रुपए) के भाव पर बंद हुआ है। गोल्डमेन के एक विश्लेषक के मुताबिक प्रीमियर हार्डवेयर डिजाइन में एप्पल की सफलता ने इसके ब्रांड लॉयल्टी को मजबूत किया है जिस कारण से कंपनी का यूजर बेस बढ़ा है। इसके चलते कंपनी को अपने इकोसिस्टम को छोड़कर जाने वाले यूजर्स की संख्या को घटाने और क्लाइंट जोड़ने में खर्च घटाने में मदद मिली है। वहीं ग्राहक को फिर से खरीदारी के लिए बढ़ावा मिला है। एप्पल में निवेश के लिए 199 डॉलर का टारगेट प्राइस फिक्स किया है। यह इसके मौजूदा भाव 153.83 अमेरिकी डॉलर से करीब 29 फीसदी अपसाइड है। इस साल 2023 में अब तक यह 23 फीसदी मजबूत हुआ है। इस महीने में यह चार फीसदी से अधिक उछला है।

एसबीआई की रिपोर्ट ने हिंदू वृद्धि दर संबंधी राजन के बयान को 'पक्षपातपूर्ण' बताया

नई दिल्लीः (एजेंसी)

एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट ने भारत की मौजूदा वृद्धि दर को 'हिंदू वृद्धि दर' के बेहद करीब बताने वाले रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के बयान को 'पक्षपातपूर्ण, अपरिपक्व और बिना सोचा-समझा हुआ' बताते हुए मंगलवार को खारिज कर दिया। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट 'इकोरैप' कहती है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के हाल में आए आंकड़े और बचत एवं निवेश के उपलब्ध आंकड़ों को देखने पर इस तरह के बयानों में कोई आधार नजर नहीं आता है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, ''तिमाही आंकड़ों के आधार पर जीडीपी वृद्धि को लेकर व्याख्या करना सचाई को छिपाने वाले भ्रम को फैलाने की कोशिश जैसा है।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि जीडीपी वृद्धि के आंकड़े इसके खतरनाक रूप से हिंदू वृद्धि दर के बेहद करीब पहुंच जाने के संकेत दे रहे हैं। उन्होंने इसके लिए निजी निवेश में गिरावट, उच्च ब्याज दरों और धीमी पड़ती वैश्विक वृद्धि जैसे कारकों को जिम्मेदार बताया था। 'हिंदू वृद्धि दर' शब्दावली का इस्तेमाल 1950-80 के दशक में भारत की 3.5 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर के लिए किया गया था। भारतीय अर्थशास्त्री राज कृष्णा ने सबसे पहले 1978 में 'हिंदू वृद्धि दर' शब्दावली का इस्तेमाल किया था। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की शोध टीम की तरफ से जारी रिपोर्ट में राजन के इस दावे को नकार दिया गया है। रिपोर्ट कहती है, ''तिमाही आंकड़ों के आधार पर किसी भी गंभीर व्याख्या से परहेज करना चाहिए। जीडीपी वृद्धि के हालिया आंकड़ों और बचत एवं निवेश संबंधी परिदृश्य को देखते हुए हमें इस तरह की दलीलें 'पक्षपातपूर्ण, अपरिपक्व और बिना सोची-समझी' लगती हैं।'' एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है। घोष ने कहा है कि बीते दशकों के निवेश एवं बचत आंकड़े कई दिलचस्प पहलू रेखांकित करते हैं। रिपोर्ट कहती है, ''सरकार की तरफ से सकल पूंजी सृजन (जीसीएफ) वित्त वर्ष 2021-22 में 11.8 प्रतिशत हो गया जबकि 2020-21 में यह 10.7 प्रतिशत था। इसका निजी क्षेत्र के निवेश पर भी प्रभाव पड़ा और यह इस दौरान 10 प्रतिशत से बढ़कर 10.8 प्रतिशत पर पहुंच गया।'' रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में कुल मिलाकर सकल पूंजी सृजन के बढ़कर 32 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह 30 प्रतिशत और उसके पहले 29 प्रतिशत रहा था। इसके अलावा सकल बचत भी वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 30 प्रतिशत हो गई जो उसके एक साल पहले 29 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष में इसके 31 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है जो 2018-19 के बाद का सर्वोच्च स्तर होगा।

वाहन कलपुर्जा उद्योग 2023-24 में 10-15 प्रतिशत की दर से बढ़ेगाः ईसीएमए

मुंबई । (एजेंसी)

भारत का वाहन कलपुर्जा उद्योग वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 10-15 प्रतिशत बढ़ सकता है। भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एक्मा) ने यह उम्मीद जताई है। एक्मा ने कहा कि अमेरिका और यूरोप में मंदी की आशंका के बीच घरेलू और निर्यात बाजार दोनों की मांग के चलते आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि की उम्मीद है। वाहन कलपुर्जा उद्योग का कारोबार वित्त वर्ष 2021-22 में 23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 56.5 अरब डॉलर रहा था। उद्योग के चालू वित्त वर्ष 2022-23 में इसमें 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। अमेरिका और यूरोप के प्रमुख पश्चिमी बाजार इलेक्ट्रिक वाहन अपना रहे हैं जिसके चलते घरेलू कलपुर्जा उद्योग को भारत में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) के लिए कलपुर्जों के विनिर्माण से लाभ होगा। एक्मा के महानिदेशक विन्नी मेहता ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) तक हमारा निर्यात और आयात वास्तव में बेहतर तरीके से संतुलित रहा। दोनों 15.1 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा कि हम यूरोप और अमेरिका में मंदी को देखते हुए विपरीत परिस्थितियों से सावधान हैं। इसके बावजूद घरेलू बाजारों में तेजी के चलते हमारा निर्यात और आयात तेज गति से बढ़ रहा है। मेहता ने वित्त वर्ष 2023-24 के परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम निश्चित रूप से 10-15 प्रतिशत की सीमा में बढ़ेंगे।

एनसीएलटी ने जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण को लेकर लगी बोली का मंजूरी दी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज के बोझ से दबी जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण के लिए दिवाला समाधान प्रकिया के द्वारा लगाई गई सुरक्षा समूह की बोली को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इसके तहत सुरक्षा समूह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न अटकी परियोजनाओं में 20,000 फ्लैट का निर्माण करेगा। एनसीएलटी के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय प्रधान पीठ ने सुरक्षा समूह की ओर से पेश समाधान योजना को मंजूरी दी। न्यायाधिकरण ने पिछले साल 22 नवंबर को जेपी इन्फ्राटेक के समाधान पेशेवर की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। याचिका में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में विभिन्न लंबित परियोजनाओं के 20,000 फ्लैट के निर्माण की सुरक्षा समूह को अनुमति देने की अपील की गई थी। जून, 2021 में सुरक्षा समूह को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) से जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण की अनुमति मिली थी। सीओसी में बैंकों के अलावा घर खरीदार भी शामिल हैं। इस फैसले से 20,000 घर खरीदारों को जेपी इन्फ्राटेक की अटकी परियोजनाओं में अपने फ्लैट का कब्जा मिलने की उम्मीद बंधी है। जेपी इन्फ्राटेक के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त, 2017 में शुरू हुई थी।

नोएडा-गाजियाबाद में सस्ता हुआ पेट्रोल, गुरुग्राम में महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 86.28 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल एक बार फिर 90 डॉलर की ओर बढ़ रहा है। इस बीच मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट में भी बदलाव दिख रहा है। मंगलवार को एनसीआर के कई शहरों में तेल के दाम नीचे आए हैं, जबकि कुछ जगह इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश चारों महानगरों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) पेट्रोल 31 पैसे सस्ता होकर 96.69 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल यहां 28 पैसे गिरकर 89.86 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता हुआ और 96.23 रुपए लीटर है, जबकि डीजल 33 पैसे गिरकर 89.42 रुपए लीटर हो गया है। लखनऊ में भी पेट्रोल 11 पैसे सस्ता हुआ जो 96.36 रुपए लीटर हो गया है। डीजल 10 पैसे टूटकर 89.56 रुपए लीटर बिक रहा है। एनसीआर के एक और शहर गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे महंगा होकर 97.10 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 20 पैसे चढ़ा और 89.96 रुपए लीटर है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 86.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई की कीमत भी बढ़त के साथ 80.52 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.23 रुपए और डीजल 89.42 रुपए प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 96.69 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपए और डीजल 89.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सेबी ने बीवीजी इंडिया, फिनकेयर के आईपीओ दस्तावेज वापस किए

मुंबई ।(एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दो कंपनियों बीवीजी इंडिया और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के शुरुआती दस्तावेज वापस लौटाएं। एकीकृत सेवा कंपनी बीवीजी इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिये पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास सितंबर, 2021 में शुरुआती दस्तावेज जमा कराये थे।। आईपीओ में 200 करोड़ तक के नए शेयर जारी किए जाने थे। इसके अलावा, सेबी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के आईपीओ दस्तावेजों को भी वापस किया। कंपनी ने पिछले साल अगस्त में आईपीओ के जरिये पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक के पास अपने शुरुआती कागजात जमा कराये थे। इसके आईपीओ में 625 करोड़ रुपए तक के नये शेयर जारी किए जाने थे। इसके एक प्रवर्तक और शेयरधारकों को बेचने वाले निवेशकों द्वारा 1.7 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल थी। नियमों के तहत किसी कंपनी को सेबी से मंजूरी मिलने के बाद प्राथमिक बाजार में उतरने के लिए एक साल का समय मिलता है। बाजार नियामक ने सोमवार को बताया कि बीवीजी इंडिया और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक इंडिया के दस्तावेजों को क्रमशः दो मार्च और तीन मार्च को वापस कर दिया गया है।

बंपर पैदावार और आयातित तेल से सरसों की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

बंपर पैदावार के दबाव और आयातित सस्ते खाने के तेल के कारण सरसों की कीमत में गिरावट आ रही है। सरसों की नई फसल की कटाई के दौरान दाम गिरने से किसान चिंतित हैं। हालांकि गर्मी के कारण खेत में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचने की चर्चा के कारण दामों में कुछ सुधार हुआ। सरसों के दाम में जारी गिरावट को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने 20 लाख टन सूरजमुखी के आयातित तेल पर शून्य आयात शुल्क खत्म कर दिया है। केंद्र ने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान सूरजमुखी के तेल पर शून्य आयात शुल्क की इजाजत दी थी।

हालांकि कारोबार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आयात शुल्क खत्म करना पर्याप्त नहीं है। विभिन्न एजेंसियों के आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान के जयपुर बाजार में सरसों के बेंचमार्क भाव में 1 फरवरी से शुरू हुए महीने की तुलना में करीब आठ फीसदी की गिरावट आ गई है। हालांकि इस अवधि में सरसों की आवक में करीब 308 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। कारोबार के सूत्रों के मुताबिक वर्तमान समय में सरसों का दाम 2023-24 के न्यूनतम समर्थन मूल्य 5450 रुपए के करीब है। यदि सरसों के भाव दुरुस्त करने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो यह न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे भी गिर सकते हैं। दूसरे अनुमान के मुताबिक 2023 के रबी सीजन में सरसों का उत्पादन करीब 128.1 लाख टन है। यह उत्पादन बीते साल की तुलना में 7.11 फीसदी अधिक है।

बाजार के जानकारों का कहना है कि केंद्र को खाद्य तेल और पॉम ऑयल पर आयात शुल्क की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए। इनका देश में सबसे ज्यादा उपयोग होता है। इन पर आयात शुल्क बढ़ाकर कम से कम 15-20 फीसदी किया जाना चाहिए।

अभी कच्चे पॉम ऑयल पर आयात शुल्क करीब 5.5 फीसदी है जबकि परिष्कृत पॉम ऑयल पर आयात शुल्क 13.75 फीसदी है। इस शुल्क में कृषि और सामाजिक कल्याण सेस शामिल है।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने आईटीसी के साथ ही साझेदारी

मुंबई ।(एजेंसी)

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने ग्रामीण बाजारों में अपने ब्रांड की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली आईटीसी के कृषि व्यवसाय खंड के साथ साझेदारी की है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने कहा,''इस साझेदारी के तहत वाहन विनिर्माता कंपनी आईटीसी के व्यापक कृषि और ग्रामीण मंचों पर अपने तमाम मॉडल को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रांड की पहचान बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करेगी। इस आशय के एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दोनों कंपनियों के बीच हस्ताक्षर किए गए हैं। वह ग्रामीण इलाकों में आईटीसी के चौपाल सागर और ई-चौपाल मंचों के साथ सहयोग करेगी। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी ने कहा, इस सहयोग का मकसद एचएमआईएल ब्रांड की पहुंच और देश के भीतरी इलाकों में संभावित ग्राहकों के साथ जुड़ाव को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत में कुल बाजार के समान ग्रामीण खंड ने भी एचएमआईएल की कुल बिक्री में 47 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। इसमें कंपनी की वेन्यू 24 प्रतिशत के योगदान के साथ सबसे आगे है। इसके बाद 23 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ मध्यम आकार की एसयूवी क्रेटा का नंबर आता है।

आईटीसी लिमिटेड के कृषि कारोबार खंड के प्रमुख ने कहा कि हुंदै के साथ साझेदारी आईटीसी ई-चौपाल और आईटीसीएमएआरएस पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाकर किसानों की आकांक्षाओं का समर्थन करेगी। हुंदै इंडिया ने कहा कि इस भागीदारी के माध्यम से यह चौपाल सागर-महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में आईटीसी के एकीकृत ग्रामीण सेवा केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को संचालित करेगा।

कप्तान स्टीव स्मिथ संग ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मनाया होली का जश्न

(एजेंसी)।

होली के त्योहार के रंग में जहां हर भारतीय रंगा हुआ है, वहीं इस त्योहार का खुमार विदेशी खिलाड़ियों पर भी देखने को मिला। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टैंड इन कप्तान स्टीव स्मिथ संग होली त्योहार को धूमधाम से मनाया।इस त्योहार के जश्न की तस्वीरें स्टीव स्मिथ संग अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने अपने ट्विटर अकाउंट पर साझा की है। तस्वीरों में स्टीव स्मिथ के साथ मार्नस लाबुशेन और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को देखा जा सकता है।

मोदी और अल्बानीज के दौरे के लिए सज गया मोटेरा स्टेडियम

(एजेंसी)।

सारा शहर त्योहार के रंग में डूबा है लेकिन इसके बावजूद यहां भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के दौरे को लेकर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले साल राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान एक लाख 10 हजार दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम का दौरा कर चुके हैं लेकिन इसका नाम बदलने के बाद से पहली बार वह यहां टेस्ट मैच देखेंगे। मोदी और अल्बानीज का दौरा भारत और आस्ट्रेलिया कीर दोस्ती के 75 साल पूरे होने से जुड़े जश्न का हिस्सा है। दोनों प्रधानमंत्री सोने का मुलम्मा चढी गोल्फ कार में स्टेडियम का चक्कर लगायेंगे। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया, ''इसी गोल्फ कार में प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय खेलों के दौरान स्टेडियम का चक्कर लगाया था।विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) ने स्टेडियम का प्रभार ले लिया है और पहले दिन एक लाख दर्शकों के मौजूद रहने की उम्मीद है । यह भी भारत में एक रिकॉर्ड होगा क्योंकि इससे पहइले सर्वाधिक दर्शक ईडन गार्डंस पर क्रिसमस टेस्ट मैचों के दौरान (88000 से 90000) मौजूद थे। बाद में उसकी दर्शक क्षमता घटाकर 67000 कर दी गई थी। साइटस्क्रीन के सामने एक छोटा मंच बनाया गया है जहां मैच शुरू होने से पहले एक छोटा कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम खत्म होने के बाद इसे हटा दिया जायेगा। सुरक्षा इंतजामात के कारण बुधवार को दोनों टीमों का वैकल्पिक अभ्यास सत्र देख पाना भी मुश्किल हो गया था। यह पूछने पर कि दोनों प्रधानमंत्रियों की मौजूदगी से

खिलाड़ियों पर क्या अतिरिक्त दबाव होगा, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनका फोकस प्रदर्शन पर है।

उन्होंने कहा ,'' दोनों देशों के प्रधानमंत्री आ रहे हैं। यह रोमांचक होगा लेकिन खिलाड़ियों का फोकस खेल पर रहेगा । हम इस टेस्ट को जीतने की पूरी कोशिश करेंगे।''

चौथे टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने जमकर खेली होली, BCCI ने साझा किया खिलाड़ियों के जश्न का वीडयो

(एजेंसी)।

पूरा भारत जहां होली के जश्न में डूबा हुआ है, ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम पीछे कैसे रह सकती है। भारतीय टीम ने भी इस रंगों के त्योहार का पूरा जश्न मनाया और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के गुरुवार से शुरू होने वाले चौथे और आखिरी मैच से पहले अच्छी तरह से अपना मूड रिफ्रेश कर लिया है। बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेटरों के जश्न का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टीम का होली का जश्न होटल रूम से शुरू होता है और बाद में वे बस में भी जमकर जश्न मनाते हैं। वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा पहले सपोर्ट स्टाफ के साथ साथी क्रिकेटरों को रंग लगाकर जश्न की शुरूआत करते हैं। इसके बाद सभी खिलाड़ी इस जश्न में शुमार हो जाते हैं। इसके बाद क्रिकेटर टीम बस में भी होली का जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं। कुछ क्रिकेटर होली के रंग में इस तरह रंगे हुए हैं कि आप उनको पहचान भी नही सकते। सभी क्रिकेटर रंग लगाने के साथ डांस करते हुए भी नजर आए। भारत के लिए बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का आखिरी टेस्ट जीतना बेहद जरूरी है। भारत अगर यह टेस्ट जीत लेता है तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लेगा, परंतु भारत अगर इस टेस्ट में हार जाता है तो उसका फाइनल का राह थोड़ा मुश्किल हो सकता है। भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है, अगर भारत चौथा टेस्ट हार जाता है तो तीसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका टीम के लिए क्वालीफाई करने का रास्ता खुल जाएगा। बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे टेस्ट को जीतकर पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।

चीन के शंघाई में होगी फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप

शंघाई । जैसा की उम्मीद जताई जा रही थी अगली विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप चीन में ही खेली जाएगी । दरअसल कुछ दिन पहले ही यह तय हो गया था की इस बार विश्व चैंपियनशिप का फाइनल चीन की ही दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाना है । मौजूदा विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून 3 जुलाई से 25 जुलाई के बीच अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगी और उनके सामने कौन खिलाड़ी होगा यह तय होगा 27 मार्च से 6 अप्रैल के बीच होने वाले कैंडिडैट फाइनल में जो की चीन की हो ली टिंगजे और तान ज़्होंगाई के बीच चीन के चोंगिंग में खेला जाएगा । विश्व चैंपियनशिप का फाइनल 12 क्लासिकल राउंड का मुक़ाबला होगा जिसमें परिणाम बराबर रहने पर पहले रैपिड और फिर ब्लिट्ज टाईब्रेक के जरिये परिणाम निकाला जाएगा ।

यह पूरी तरह से बकवास है...रोहित शर्मा ने दिया रवि शास्त्री को करारा जवाब

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री की उस टिप्पणी को 'बकवास' करार दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय टीम अति आत्मविश्वास के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंदौर टेस्ट मैच में हार गई थी। शास्त्री 2014 के बाद सात में से छह वर्षों तक भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे थे। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में भारत की ऑस्ट्रेलिया के हाथों टर्न लेते विकेट पर नौ विकेट से हार के दौरान कमेंट्री करते हुए कहा था कि भारतीय टीम थोड़ी आत्ममुग्ध और अति आत्मविश्वास में थी जहां उन्होंने चीजों को तय मान लिया था। कप्तान रोहित ने पिछले 18 महीनों में अपनी शांति, संयम और गरिमा बनाए रखी है लेकिन जब उनसे तीसरे टेस्ट मैच को लेकर पूर्व कोच के आकलन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने काफी दृढ़ता से जवाब दिया। रोहित ने चौथे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो जब आप दो मैच जीत जाते हैं तो बाहर के लोगों को लगता है कि हम अति आत्मविश्वास में हैं। यह पूरी तरह से बकवास है क्योंकि आप सभी चार मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप दो मैच जीतकर रुकना नहीं चाहते हैं। यह उतना ही सरल है। निश्चित तौर पर यह सभी लोग जब अति आत्मविश्वास की बात करते हैं और विशेषकर तब जबकि वह ड्रेसिंग रूम का हिस्सा नहीं होते हैं तो उन्हें पता नहीं होता है कि ड्रेसिंग रूम में किस तरह की चर्चा हुई।' रोहित का यह जवाब ऐसे व्यक्ति के लिए था जो हाल तक टीम का मुख्य रणनीतिकार था।

भारतीय कप्तान ने कहा,'' हम सभी मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और अगर यह किसी बाहरी व्यक्ति को अति आत्मविश्वास या ऐसा कुछ लगता है तो वह वास्तव में हमारे लिए

मायने नहीं रखता।' रोहित ने कहा,'' रवि स्वयं इस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रह चुके हैं और वह जानते हैं कि जब हम खेलते हैं तो हमारी मानसिकता किस तरह की होती है। यह अति आत्मविश्वास नहीं बल्कि निर्मम बनने से जुड़ा है। निर्मम ऐसा शब्द है जो प्रत्येक क्रिकेटर के दिमाग में आता है और जब विरोधी टीम विदेश दौरे पर हो तो उसे थोड़ा भी मौका नहीं देने से जुड़ा है। जब हम विदेश का दौरा करते हैं तो हम भी ऐसा अनुभव करते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

अंडर -16 खिलाड़ियों को ड्रैग फ्लिक और गोलकीपिंग का विशिष्ट प्रशिक्षण देगा हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले जमीनी स्तर (ग्रासरूट) के विकास कार्यक्रम के तहत अंडर-16 वर्ग के लड़कों और लड़कियों को ड्रैग फ्लिक और गोलकीपिंग का विशेष अभ्यास मुहैया कराएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ रूपिंदर पाल सिंह, वीआर रघुनाथ और बीरेंद्र लाकड़ा इस कार्यक्रम के तहत युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। यह कार्यक्रम 19 मार्च से शुरू होगा। टिर्की ने हॉकी इंडिया के जमीनी स्तर के विकास कार्यक्रम की वर्चुअल शुरुआत करते हुए कहा, ''ड्रैग फ्लिक और गोलकीपिंग विश्व हॉकी में बेहद महत्वपूर्ण बन गए हैं। मुझे नहीं लगता कि देश में युवा खिलाड़ियों को इन दो क्षेत्रों में पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाता है। हमें अंडर-16 लड़कों और लड़कियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन दो पहलुओं को जोड़ने की सख्त जरूरत है।'' उन्होंने कहा,'' अब हम अंडर-16 और अंडर-19 खिलाड़ियों को ड्रैग फ्लिक और गोलकीपिंग का विशेष प्रशिक्षण दिलाएंगे। इसके लिए 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों का एक ग्रुप का चयन किया जाएगा जो भारत और विदेशी प्रशिक्षकों से ड्रैग फ्लिक और गोलकीपिंग का प्रशिक्षण लेंगे।''

जर्मन ओपन में लक्ष्य सेन करेंगे भारत की अगुवाई

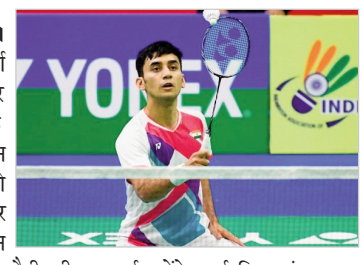

मुलहाइम । राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता और पिछली बार के फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत के टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बाद लक्ष्य और वर्तमान राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ टूर्नामेंट में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होंगे। पिछले जर्मन ओपन में रजत पदक से संतोष करने वाले लक्ष्य इस बार सोना हासिल करना चाहेंगे। पहले चरण में 21 वर्षीय लक्ष्य का सामना फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा। अगर वह शुरुआती बाधाओं को पार कर लेते हैं तो क्वार्टरफाइनल में उनका सामना मलेशिया के शीर्ष वरीयता प्राप्त ली ज़ी जिया से हो सकता है। हाल ही में राष्ट्रीय चैंपियन का ताज अपने सिर सजाने वाले मंजूनाथ पहले चरण में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से भिड़ेंगे। मंजूनाथ के सामने पहले ही चरण में कड़ी चुनौती है, हालांकि वह अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज होंगे। मालविका बंसोड़ और साइना नेहवाल महिला एकल ड्रॉ में हैं, जबकि अश्विनी पोनप्पा और सुमित रेड्डी मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

टेस्ट रैंकिंग में अश्विन को हुआ बड़ा नुकसान, नंबर-1 के लिए मिल रही तेज गेंदबाज से टक्कर

दुबई ।(एजेंसी)

भारत के शीर्ष ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी रैंकिंग में छह अंक का नुकसान हुआ है लेकिन वह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के साथ संयुक्त रूप से नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। अश्विन पिछले सप्ताह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंदौर में तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच की दोनों पारियों में केवल चार विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच नौ विकेट से जीता था जो उसकी 2017 के बाद भारतीय धरती पर पहली जीत थी। अश्विन के अब एंडरसन के समान 859 अंक हैं और वे संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दुनिया का नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बनने के लिए प्रतिस्पर्धा कड़ी हो गई है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन भी शीर्ष पर काबिज गेंदबाजों से ज्यादा पीछे नहीं हैं। निजी कारणों से वर्तमान बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैचों से हटने वाले कमिंस के 849 अंक है और वह तीसरे स्थान पर हैं। इस बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेने वाले रबाडा तीन पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 807 अंक हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर लियोन इंदौर में 11 विकेट लेने के कारण पांच पायदान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा दो पायदान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

जसप्रीत बुमराह की पीठ की हुई सर्जरी, इतने महीनों तक नहीं खेल पाएंगे क्रिकेट

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

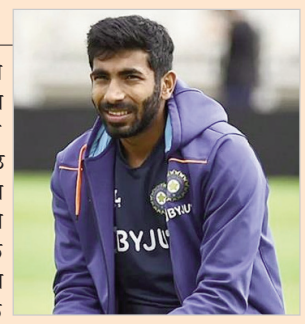

लगातार कमर की चोट से जूझ रहे भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में पीठ की सर्जरी करवाई, लेकिन अगले छह महीने वह क्रिकेट से दूर रहेंगे । बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार आपरेशन डॉक्टर रोवेन शाउटेन ने किया जो कूल्हे के प्रत्यारोपण आपरेशन और रीढ की हड्डी से जुड़े मसलों के विशेषज्ञ हैं । सूत्रों ने बताया कि बुमराह छह महीने तक खेल से दूर रहेंगे यानी एशिया कप भी नहीं खेल पायेंगे । अगर सब कुछ ठीक रहा तो अक्तूबर नवंबर में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में ही वापसी करेंगे । पिछले साल सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर दो टी20 मैच खेलने के बाद से ही बुमराह बाहर हैं । उन्होंने जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के दौरान एक्शन में लौटने का प्रयास किया, लेकिन उनकी पीठ की समस्या फिर से उभर आई। नतीजतन, उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 संस्करण और 7 जून से शुरू होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर कर दिया गया है, जिसके लिए भारत क्वालीफाई करेगा यदि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट जीतते हैं, जो 9 मार्च से शुरू हो रहा है। बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में BCCI के मेडिकल स्टाफ बुमराह के मामले का तत्काल इलाज कर रहे थे और उन्होंने तेज गेंदबाज को सर्जरी कराने का सुझाव दिया था। सर्जरी कराने का फैसला बीसीसीआई ने बुमराह और एनसीए के साथ मिलकर लिया था। बुमराह की चोट शुरू में गंभीर नहीं दिखाई दी और उन्हें सितंबर में भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया। हालांकि, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20आई में नहीं खेले और स्कैन से पता चला कि उनकी पीठ में तनाव संबंधी चोट है। उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था।

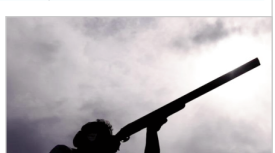

मैराज और गनीमत शॉटगन विश्व कप के स्कीट मिश्रित टीम वर्ग में पांचवें स्थान पर

दोहा। मैराज अहमद खान और गनीमत सेखों की जोड़ी वाली भारतीय स्कीट मिश्रित टीम बुधवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही। भारतीय जोड़ी ने 150 में से 143 अंक बनाये लेकिन एक अंक से पदक की दौड़ में पहुंचने से चूक गई। अमेरिका के विंसेंट हेनकॉक और किम्बरले रॉड ने स्वर्ण पदक जीता जिन्होंने फाइनल में फ्रांस के एरिक डी और लूसी अनास्तासियू को 6 . 0 से हराया। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में चिली के हेक्टर आंद्रेस फ्लोरेस बाराहोना और फ्रांसिस्का चाडिड ने भारतीय जोड़ी को एक अंक से हराया। वे हालांकि कांस्य पदक के मुकाबले में इटली के लुइगी लोडे और डायना बाकोसी से हार गए । स्कीट वर्ग में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। अब ट्रैप निशानेबाज शुक्रवार से खेलेंगे । भारत ने अभी तक इस स्पर्धा में पदकों का खाता नहीं खोला है।

चौथे टेस्ट में नीचले क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर योगदान की उम्मीद : स्मिथ

अहमदाबाद।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट से पहले बुधवार को कहा कि वह अपने पुछल्ले बल्लेबाजों से बेहतर योगदान की उम्मीद कर रहे हैं। स्मिथ ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''हमने निचले क्रम के बारे में बात की है। बल्लेबाज के रूप में उन्होंने वैसा योगदान नहीं दिया जैसे की हमें उम्मीद थी।'' भारत के आठवें से 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने इस सीरीज में अब तक 25.58 की औसत से 307 रन बनाये हैं, जबकि इस स्थान पर बल्लेबाजी करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 4.94 की औसत से सिर्फ 84 रन ही जोड़ सके हैं। इसके विपरीत पहले टेस्ट में रोहित शर्मा के शतक के बावजूद भारत के ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया से खराब रहा है। ऑस्ट्रेलिया के ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों ने 22.92 की औसत से 776 रन बनाये हैं जबकि भारतीय ऊपरी क्रम 22.15 की औसत से 709 रन ही बना सका है। स्मिथ ने कहा, ''जब आप अक्षर (पटेल) जैसे किसी बल्लेबाज को देखते हैं, जिसे आउट करना इतना मुश्किल है, तो फर्क पता चलता है। हमारे शीर्ष छह और उनके शीर्ष छह में ज्यादा फर्क नहीं है।''

ऑस्ट्रेलिया इस समय सीरीज में 1-2 से पीछे है। अक्षर, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की हरफनमौला तिकड़ी की बदौलत भारत ने शुरुआती दो मैच तो जीत लिये, लेकिन तीसरे मैच में कंगारुओं ने शानदार वापसी करते हुए नौ विकेट से जीत दर्ज की। भारत नौ मार्च से शुरू होने वाले चौथे और अंतिम टेस्ट में जीत हासिल करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में जगह बना सकता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज 2-2 से ड्रॉ करने का मौका है। स्मिथ का मानना है कि पिछले एक दशक में घरेलू सरजमीन पर भारत के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सीरीज ड्रॉ करवाना उनकी टीम के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। स्मिथ ने कहा, ''भारत आकर दो टेस्ट मैच जीतना

इस टीम के लिये, या किसी भी विदेशी टीम के लिये बड़ी उपलब्धि होगी। दुर्भाग्य से हम सीरीज के शुरुआती मैचों में जीत हासिल करके खुद को सीरीज हथियाने का मौका नहीं दे सके, लेकिन यहां सीरीज ड्रॉ करना भी बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।''

AFC अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफयर्स में भारत का शानदार आगाज

वियत ट्राई सिटी। भारत की अंडर-20 महिला टीम ने मंगलवार को यहां सिंगापुर पर 7-0 की शानदार जीत के साथ एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर के पहले दौर में शानदार शुरुआत की। कोच मेमोल रॉकी की टीम ने मैच शुरू होने के आधे घंटे के भीतर छह गोल की बढ़त बना ली। अपर्णा नारजारी और अनीता कुमारी इस दौरान दो-दो जबकि सुमति कुमारी और अस्तम उरांव ने एक-एक गोल दागे। दूसरे हाफ में काजोल डिसूजा ने टीम के लिए सातवां गोलकर बड़ी जीत सुनिश्चित की। टीम की नयी कप्तान अपुर्ना नरजारी की मदद से अनीता कुमारी ने सातवें मिनट में टीम का खाता खोला इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने दनादन गोल दागे। भारतीय टीम का अगला मैच गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ है। इसके बाद टीम शनिवार को वियतनाम के खिलाफ खेलेगी। इस ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम जून में दूसरे चरण के क्वालीफायर में जगह पक्की करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेंच पार्क में दिखते हैं कुदरत के अनोखे रंग

महाराष्ट्र के नागपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी के बीच 'पेंच नेशनल पार्क' ऐसी जगह है जहां रुखे व्यवहार वाला आदमी भी कुछ दिन रुक जाए तो वह भी काव्यात्मक लहजे में बातें करने लगेगा। पेंच की खूबसूरती को समझने के लिए 292 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस घने जंगल में आपको घूमना पड़ेगा।

जिन जगहों पर कुदरत दिल से मेहरबान रही है उनमें से पेंच भी एक है। पेंच आने वाले पर्यटकों का पहला सामना अपनी उछलकूद में मग्न बंदरों से होता है। कच्ची मगर सलीकेदार सड़क के चारों ओर घने झुरमुटों में से स्वछंद विचरते हिरण, सांभर और चीतल जरूर ठुमक कर पर्यटकों का स्वागत करते हैं मगर अपनी उत्सुक निगाहों को आप से हटा कर कुलाचें भरने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हर दूसरे मोड़ पर ये दोबारा आपके सामने नजर आ जाते हैं।

पेंच में शेर का दिखना मौके की बात है। यहां विचरते समय बीच-बीच में आपको नीलगाय, जंगली भैंसा, जंगली सूअर और जंगली कुत्ता आदि के साथ ही अन्य जंगली जानवर भी देखने को मिलेंगे।

पेंच में कुछ घंटे गुजरने के साथ ही आपको खुद ब खुद महसूस होगा कि स्वच्छ हवा या आक्सीजन क्या होती है। सुबह-शाम पक्षियों की संगीतमय चहचहाहट के जादू से बच पाना भी किसी के बूते की बात नहीं है और न ही रंगबिरंगे पक्षी संसार को इतने नजदीक से देखने का अवसर चूकने की।

पेंच नेशनल पार्क में अब रुकना भी सरल हो गया है। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के प्रति अपनी गंभीरता को समझते हुए किपलिंग कोर्ट का निर्माण करवाया है। 20 कमरों का तमाम आधुनिक सुख-सुविधाएं लिए किपलिंग कोर्ट मोगली के जंगल में आप का घर ही है। किपलिंग कोर्ट के कमरे आम होटलों जैसे एक-दूसरे से सटे नहीं हैं और न ही आमने-सामने हैं। यह एक छोटी बस्ती की तरह चारों तरफ दोमंजिला शक्ल में फैले हुए हैं।

नागपुर और सिवनी के बीच खवासा गांव उतर कर मात्र 10 किलोमीटर अंदर जाकर जब पेंच का जीवन तबियत से जीने की इच्छा हो तो जरूरी है कि आप चश्मा ले जाएं, दूरबीन भी और कैमरा भी। जीप से घूमते समय पानी की बोतल साथ रखें। खाने-पीने के लिए गेट पर काफी रेस्तरां हैं साथ ही वन विभाग की कैंटीन और रेस्ट हाउस भी यहां उपलब्ध हैं।

मौसम कोई भी हो, पेंच में सुबह-सुबह सर्दी का एहसास जरूर होता है। सर्दियों में शाम भले ही किपलिंग कोर्ट के अंदर कमरे में कुछ सोचते, गुनगुनाते, थिरकते या नीचे मैदान में बैठ साथी पर्यटकों से बातचीत करते गुजारी जाए लेकिन गर्मियों की शाम में अगर बगैर दीवारों वाले तितली रेस्तरां में कुछ ठंडा-गरम पिया जाए तो पेंच आने की कीमत वसूल हो जाती है।

वनों का सुंदर उपहार कोडैकनाल

कोडैकनाल भारत का एक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल है जो तमिलनाडु राज्य में बसा डिंडागुल जिले का एक शहर है। यह समुद्र तल से 2133 मीटर की ऊंचाई पर एक पठार के ऊपर है। तमिल में कोडैकनाल का अर्थ वन का उपहार है। कोडै शब्द के चार अलग-अलग अर्थ होते हैं- पहला 'जंगल का अंतिम छोर', दूसरा 'लताओं का जंगल', तीसरा 'गर्मियों का जंगल' और चौथा 'जंगल का उपहार'। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण इसे 'हिल स्टेशनों की राजकुमारी' भी कहते हैं

कोडैकनाल हिल रिजॉर्ट अपनी सुंदरता और शांत वातावरण से सबको सम्मोहित कर लेता है। यहां घूमने का मजा कुरिंजी नामक फूल के खिलने के समय दोगुना हो जाता है। हालांकि यह फूल बारह साल में एक बार खिलता है। यहां के लोग कुरिंजी के फूल को देखना अपनी शान समझते हैं। जब यह खिलता है तो पहाड़ियों की सुंदरता देखते बनती है। इसकी खुशबू मदहोश कर देने वाली होती है। विशाल चट्टान, शांत झील, फलों के बागीचे और पाइन के जंगलों से आती शुद्ध हवा यहां के वातावरण को सुगंधित और गुलजार बना देती है। कोडैकनाल का उल्लेख ईसा पूर्व के संगम साहित्य में मिलता है। पलानी हिल्स के आसपास के क्षेत्र में उस समय पेलियंस और पुलयंस नामक आदिम जनजाति निवास करती थी। 1845 में अंग्रेजों ने यहां हिल स्टेशन स्थापित किया था। ब्रिटिश प्रशासकों और मिशनरियों का यह पसं दीदा हिल स्टेशन था। कोडैकनाल की स्थापना 1863 में हुई थी। इस सूबसूरत शहर के दर्शनीय स्थल-

कोडैकनाल झील

इस खूबसूरत सितारानुमा झील का निर्माण एक अंग्रेज ने किया था। जो 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसके चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस झील का बोट क्लब रोमांचक रेसिंग ट्रिप की सुविधा उपलब्ध कराता है।

कोकर्स वाक

लेफ्टिनेंट कोकर के नाम से इस स्थान का नाम कोकर्स वाक पड़ा। कोकर ने कोडैकनाल का मानचित्र तैयार किया था। यह शहर से एक किलोमीटर दूर मनमोहक पर्यटन स्थल है। यहां से आसपास की पहाड़ियों तथा मदुरै शहर का दृश्य बहुत ही सुंदर दिखाई देता है। मैदानों से खूबसूरत दिलकश नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है। यहां की प्रसिद्ध पिलर रॉक्स चट्टानें कोडैकनाल से 7.4 किलोमीटर दूर हैं। ये 122 मीटर ऊंची है, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। यह स्थान पिकनिक के लिए भी उपयुक्त है।

ब्रायंट पार्क

बेरियम झील के पूर्व दिशा में फैला ब्रांयट पार्क स्थित है। यह पार्क फूलों तथा संकर प्रजाति के विभिन्न पेड़-पौधों के लिए जाना जाता है। यहां एक ग्लास हाउस में विभिन्न किस्म के फूल खिले रहते हैं। मई महीने में यहां उद्यान मेला लगता है।

बेरियम झील

यह खूबसूरत झील पिकनिक के लिए लोकप्रिय स्थल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरी यह झील कोडै कनाल बस स्टे शन से 21 किलोमीटर दूर है। इस झील से पेरियाकुलम नगर को पानी की सप्लाई होती है। झील की खोज और सुधार कार्य ब्रिटिश आर्मी कर्नल हेमिल्टन द्वारा 1864 में किया गया था।

शेनबागानूर संग्रहालय

झील से 5 किलोमीटर की दूरी पर यह संग्रहालय स्थित है। इसकी देखरेख सेक्रेड हार्ट कॉलेज द्वारा की जाती है। यहां का आर्किडोरियम भारत के सबसे बेहतर आर्किडोरियम में से एक माना जाता है।

कुरिंजी अंदावर मंदिर

यह मंदिर कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर है। यहां पर 'लार्ड मुरुगन' की एक आकर्षक प्रतिमा रखी हुई है। यहां से पलानी पहाड़ियों तथा वैगाई डैम का खूबसूरत दृश्य मन को मोह लेता है।

बीयरशोला फाल

यह खूबसूरत पिकनिक स्थल कोडैकनाल से 16 किलोमीटर दूर है। यहां अक्सर भालुओं को पानी पीते देख जा सकता है। भालुओं की उपस्थिति के कारण इस झरने का नाम बीयरशोला पड़ा।

सिल्वर कासकेड प्रपात

यह आकर्षक जलप्रपात कोडैकनाल झील से 8 किलोमीटर दूर है। झील का अतिरिक्त जल 180 फीट की ऊंचाई से झरने के रूप में गिरता है। यहां के शांत और सौम्य वातावरण का पर्यटक भरपूर आनंद लेते हैं।

बोट क्लब

यह बोट क्लब 1910 में स्थापित किया गया था। 1932 से पहले यह आम लोगों और पर्यटकों के लिए नहीं था। मात्र कुछ चुनिंदा सदस्य ही बोटिंग का आनंद ले सकते थे। बाद में पर्यटकों और आम लोगों को भी सुविधा दे दी गई।

वेधशाला

कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर स्थित इस वेधशाला का निर्माण 1899 में किया गया था। 2347 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह वेधशाला कोडैकनाल की सबसे ऊंची जगह है। यहां से प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखता है।

टेलीस्कोप हाउस

घाटी और उसके आसपास की सुंदरता को देखने के लिए दो टे लीस्कोप हाउस स्थापित किये गये हैं। इसके अलावा सौर भौतिक वेधशाला, ग्रीन वैली व्यू, गुना गुफाएं, डॉल्फिन नोज, थालाइयर झरना आदि जगहों की सैर कर सकते हैं। फलों में नाशपाती के लिए यह जगह प्रसिद्ध है। चॉकलेट प्रेमियों के लिए यह स्वर्ग माना जाता है। साहसिक गतिविधियों में ट्रैकिंग, बोटिंग, हॉर्स राइडिंग और साइकिलिंग का आनंद लिया जा सकता है।

कब और कैसे जाएं

सालभर मौसम अच्छा रहता है। वैसे, अच्छा समय अप्रैल से अगस्त उत्तम है। सर्दियों के दौरान इस जगह की यात्रा अच्छी रहती है। निकटतम हवाई अड्डा मदुरै है, जो यहां से 120 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी द्वारा कोडैकनाल पहुंच सकते हैं। रेल मार्ग के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन कोडै रोड है, जो कोडैकनाल से 80 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग के लिए दक्षिण भारत के कई मुख्य शहरों से सीधी बस सेवा द्वारा जुड़ा है।

सागर किनारे लक्षद्वीप

अरब सागर की गोद में बैठे छोटे ये द्वीप अपनी सुंदरता में अद्वितीय और आकर्षक हैं। ये भारत के दक्षिण-पश्चिम किनारे पर स्थित हैं। मुख्य भूमि से दूर इनका प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषणमुक्त वातावरण, चारों ओर समुद्र और इसका पारदर्शी तल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

समुद्री जल में तैरती असंख्य प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियाँ इन द्वीपों की सुंदरता को चार चाँद लगा देती हैं। हर द्वीप पर नारियल व पाम के झूमते हरे-भरे वृक्ष हैं। और साथ है कोरा-कुँवारा समुद्र जिसका नीला पानी आपको अनोखी पवित्रता का अहसास कराता है।

लक्षद्वीप भारत के एकमात्र मूँगा द्वीप हैं। इन द्वीपों की श्रृंखला मूँगा एटोल हैं। एटोल मूँगे के द्वारा बनाया गई ऐसी रचना है जो समुद्र की सतह पर पानी और हवा मिलने पर बनती है। सिर्फ इन्हीं परिस्थितियों में मूँगा जीवित रह सकता है। यहाँ के निवासी केरल के निवासियों से बहुत मिलते-जुलते हैं। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है। अब केंद्र सरकार इन द्वीपों का पर्यटन की दृष्टि से तेजी से विकास कर रही है।

समुद्र जल में जो जीव सृष्टि है, वह धरातल के ऊपर के प्राणियों से कम सुंदर और आकर्षक नहीं है। ये द्वीप प्रकृति की एक अद्भुत देन हैं। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूँगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

द्वीप

अगत्ती लक्षद्वीप का बेहद खूबसूरत लैगून में से है। यहाँ एयरपोर्ट भी है। लक्षद्वीप में यहीं से प्रवेश किया जाता है। यहीं पर 20 बिस्तरों वाला एक पर्यटक काम्पलैक्स भी है।

बंगारम

आँसू के आकार के इस द्वीप में चारों ओर क्रीमी रंग की रेत बिखरी हुई है। लक्षद्वीप के हर द्वीप की तरह यहाँ भी नारियल के वृक्ष सघन मात्रा में हैं जो दिन की तीखी गर्मी में भी ठंडक देते हैं।

कवरत्ती

कवरत्ती यहाँ की प्रशासनिक राजधानी है। यह सबसे अधिक विकसित भी है साथ ही यहाँ द्वीपवासियों के अलावा अन्य लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। पूरे द्वीप में 52 मस्जिद हैं, सबसे खूबसूरत मस्जिद है उज्र मस्जिद। कहा जाता है कि यहाँ के पानी में चमत्कारी शक्ति है।

इस द्वीप में एक्वेरियम भी है जिसमें सुंदर मछलियों की प्रजातियाँ हैं। यहाँ काँच की तली वाली नौका में बैठकर आप समुद्री दुनिया का नजारा ले सकते हैं। इसके अलावा यहाँ वाटर स्पोर्ट्स जैसे केयाकिंग, कनोइंग और स्नोरकेलिंग का मजा भी ले सकते हैं।

कालपेनी

यहाँ तीन द्वीप हैं जिनमें आबादी नहीं है। इनके चारों ओर लैगून की सुंदरता देखने लायक है। कूमेल एक खाड़ी है जहाँ पर्यटन की पूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ से पित्ती और थिलक्कम नाम के दो द्वीपों को देखा जा सकता है। यहाँ आप तैर सकते हैं, रीफ पर चल सकते हैं, नौका में बैठकर घूम सकते हैं और कई वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

कदमठ

एक जैसी गहराई और दूर अनंत तक जाते किनारे कदमठ को स्वर्ग बनाते हैं। यही एकमात्र द्वीप है जिसके पूर्वी और पश्चिमी दोनों ओर लैगून हैं। यहाँ वाटर स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएँ हैं।

मिनिकॉय

यह कवरत्ती से 200 किमी दूर दक्षिण में है। मालदीव के करीब होने के कारण यहाँ भिन्न संस्कृति के दर्शन होते हैं। मिनिकॉय नृत्य परंपरा के मामले में बेहद समृद्ध है। विशेष अवसर पर यहाँ लावा नृत्य किया जाता है। यहाँ खासकर तूना मछली का शिकार और नौका की सैर आनंददायी है। अँग्रेजों के द्वारा 1885 में बनवाया गया प्रकाश स्तंभ देखने लायक है, पर्यटक यहाँ ऊपर तक जा सकते हैं।

कैसे जाएँ

हवाई मार्ग से कोचीन से अगत्ती द्वीप तक सीधी हवाई सेवा है। अगत्ती से हेलिकॉप्टर या बोट के माध्यम से आगे जाया जा सकता है। दूसरे द्वीपों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है। पानी के जहाज से केरल के कोचीन से जहाज की सेवा भी उपलब्ध है।

कब जाएँ

अक्टूबर-नवंबर में यहाँ बारिश होती है और पानी के जहाज चलना बंद हो जाते हैं। फिर भी हेलिकॉप्टर के माध्यम से आप यहाँ जा सकते हैं। इन दिनों मौसम कुछ ठंडा हो जाता है लेकिन अन्य दिनों में गर्मी रहती है।

ढाका की बहुमंजिला इमारत में ब्लास्ट से 14 की मौत, 100 घायल

ढाका । बांग्लादेश के ढाका के गुलिस्तान इलाके में मंगलवार शाम एक इमारत में हुए विस्फोट में 14 लोगों की मौत हुई और 100 से अधिक घायल हो गए। फायर ब्रिगेड सर्विस से जुड़े अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान चलाने के लिए घटनास्थल पर फायर सर्विस की ग्यारह यूनिट काम कर रही हैं। धमाके से गुलिस्तान बीआरटीसी बस काउंटर के दक्षिण की ओर एक पांच मंजिला इमारत, ग्राउंड फ्लोर पर एक सेनेटरी की दुकान, बैंक का कार्यालय प्रभावित हुई हैं, लेकिन कोई भी इमारत नहीं गिरी है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट बीआरटीसी बस काउंटर के पास शाम करीब 4-45 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि अब तक 14 शवों और 100 से अधिक घायलों को अस्पताल लाया गया है। विस्फोट के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। धमाका सिद्दीकी बाजार में स्थित एक व्यावसायिक इमारत में हुआ जिसमें कई ऑफिस और स्टोर थे।

भारत ने अफगानिस्तान के लिए फिर दिखाई दरियादिली, चाबहार जरिए भेजेगा 20 हजार मीट्रिक टन गेहूं

भारत ने मुश्किलों से जूझ रहे अफगानिस्तान के लिए एक बार फिर दरियादिली दिखाते हुए मदद का ऐलान किया है। भारत ने कहा है कि खाद्य संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान को चाबहार बंदरगाह के जरिए 20,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजी जाएगी। दिल्ली में मंगलवार को अफगानिस्तान पर भारत-मध्य एशिया संयुक्त कार्यकारी समूह की पहली बैठक में यह घोषणा की गई जिसमें मेजबान भारत के अलावा मध्य एशिया के 5 देशों ने कजाकिस्तान, किर्गिजतान, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष राजनयिकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया कि भारत ने चाबहार बंदरगाह के जरिए UNWFP के साथ सहयोग से अफगानिस्तान को 20 हजार टन गेहूं की आपूर्ति करने का ऐलान किया है। दरअसल भारत मानवीय संकट को दूर करने के लिए अफगानिस्तान को अबाध मानवीय सहायता प्रदान करने की वकालत करता रहा है। इससे पहले अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल में सत्ता पर काबिज होने के महीनों बाद भारत ने खाद्यान्न संकट से जूझ रहे अफगान लोगों की सहायता के लिए 50,000 मीट्रिक टन गेहूं देने का ऐलान किया था।बैठक में शामिल सभी देशों ने एक संयुक्त बयान मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी तरह की आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होना चाहिए। इसके अलावा काबुल में 'सही मायने में समावेशी' राजनीतिक ढांचे के गठन पर जोर दिया, जो महिलाओं समेत सभी अफगानों के अधिकारों का सम्मान करे।

पाक में पंजाब विश्वविद्यालय में कट्टरपंथी आईजेटी ने हिंदू छात्रों को होली मनाने से रोका

-झड़प के बाद 15 हिंदू छात्र घायल, विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों ने भी पीटा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर एक बार फिर अत्याचार करने का मामला सामने आया है। कम से कम 15 हिंदू छात्र गत दिवस सोमवार को एक कट्टरपंथी इस्लामी छात्र संगठन के सदस्यों द्वारा यहां पंजाब विश्वविद्यालय परिसर में कथित तौर पर होली मानने से रोकने को लेकर हुए विवाद के दौरान घायल हो गए। यह घटना पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज में हुई, जब करीब 30 हिंदू छात्र होली मनाने के लिए जमा हुए। विश्वविद्यालय के एक छात्र और एक प्रत्यक्षदर्शी काशिफ ब्रोही ने बताया कि जैसे ही छात्र लॉ कॉलेज के परिसर में इकट्ठा हुए इस्लामी जमीयत तुलबा (आईजेटी) के कार्यकर्ताओं ने उन्हें जबरन होली मनाने से रोक दिया, जिसके कारण झड़प हुई। झड़प के परिणामस्वरूप 15 हिंदू छात्र घायल हो गए। ब्रोही ने दावा किया कि उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से पूर्व अनुमति ली थी। खेत कुमार के हाथ में इस दौरान चोट आई है। खेत कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तब पीटा, जब उन्होंने आईजेटी सदस्यों द्वारा जबरन होली मनाने से रोकने का विरोध करने के लिए कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। कुमार ने कहा कि हमने आईजेटी और हमें पीटने तथा प्रताड़ित करने में शामिल सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ पुलिस में एक शिकायत दी है, लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। मीडिया से संपर्क किए जाने पर आईजेटी (पंजाब विश्वविद्यालय) के प्रवक्ता इब्राहिम शाहिद ने इस घटना में उसके छात्रों की संलिप्तता से इनकार किया। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रवक्ता खुर्रम शहजाद ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने लॉ कॉलेज के उद्यान में होली मनाने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि अगर समारोह कमरे के अंदर मनाया जाता तो कोई समस्या नहीं होती। शहजाद ने कहा कि कुलपति ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

महाराजा चार्ल्स तृतीय की ताजपोशी में प्रिंस हैरी की उपस्थिति पर संशय बरकरार

लंदन । ब्रिटेन में महाराजा चार्ल्स तृतीय का कार्यालय उनकी ताजपोशी समारोह को लेकर प्रिंस हैरी के लगातार संपर्क में है, जिससे शाही घराने के साथ जारी तनाव के बीच उनके समारोह में शिरकत करने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि, समारोह में हैरी और उनकी पत्नी मेगन की उपस्थिति को लेकर अनिश्चितता बरकरार है, क्योंकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। अगर हैरी-मेगन छह मई को लंदन के वेस्टमिंस्टर ऐबे में होने वाले ताजपोशी समारोह में शामिल होते हैं, तो ब्रिटिश राजकुमार की बेस्टसेलर किताब 'स्पेयर' में शाही परिवार से जुड़े रहस्यों के खुलासे को लेकर पिता-पुत्र (चार्ल्स-हैरी) में बढ़े तनाव के बीच यह दोनों की पहली मुलाकात होगी। हैरी-मेगन के एक प्रवक्ता ने रविवार को पुष्टि की कि हैरी को महाराजा चार्ल्स तृतीय के ताजपोशी समारोह के संबंध में उनके कार्यालय से एक 'ईमेल पत्राचार' प्राप्त हुआ है। बकिंघम पैलेस ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध का फिलहाल जवाब नहीं दिया है। हैरी-मेगन के कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ड्यूक और डचेस ऑफ ससेक्स (हैरी-मेगन) समारोह में शिरकत करेंगे या नहीं, इस संबंध में लिए गए निर्णय का हम तत्काल खुलासा नहीं करेंगे।

इंग्लैंड के नॉर्थम्प्टन के पास खुदाई में 4 हजार साल पुराना मंदिर मिला

लंदन । पुरातत्वविदों की एक टीम ने इंग्लैंड के नॉर्थम्प्टन के पास खुदाई में एक प्राचीन प्रार्थना स्थल की खोज की है। यह मंदिर 4 हजार साल पुराना है। खोज नॉर्थम्प्टन के पास ओवरस्टोन में लंदन पुरातत्व संग्रहालय (मोला) द्वारा की गई थी। टीम नॉर्थम्प्टन के उत्तर में चार मील की दूरी पर एक गांव ओवरस्टोन में एक नए आवास को बनाने के लिए साइट की खुदाई कर रही थी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह साइट 2,000 से अधिक वर्षों तक उपयोग में थी।

साइट पर कांस्य युग और रोमन सभ्यता के दौरान की कई कलाकृतियां पाई गई हैं। यह मंदिर पवित्र स्थान पर बनाया गया है। इसमें दो अलग-अलग कमरे हैं, जिनमें से एक में सीढ़ियां हैं। दीवारों पर कई चित्र बने हैं जिस पर प्लास्टरवर्क हुआ है। विशेषज्ञों को 5 कांस्य युग के दबे हुए कलश मिले हैं। साइट पर कोई कब्र या मानव अवशेष नहीं मिला है। यहां एक प्रकार का दफन टीला मिला है, जिसका निर्माण 1,500 और 2,000 ईसा पूर्व के बीच हुआ होगा। शोधकर्ताओं को पानी के बड़े टैंक भी मिले और इनके तल पर विलो पेड़ के फूल, पाइनकोन, अखरोट के गोले और एक चमड़े के जूते पाए गए जो 2,000 साल पुराने किसी जैविक अवशेष के बने हुए थे। यह स्थानीय प्राचीन समुदायों के लिए एक अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान था। टीम को एक रोमन संरचना के अवशेष भी मिले जो 43 और 410 ईस्वी के बीच के माने जा रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, संरचना का कोई कार्यात्मक उद्देश्य नहीं था और यह पास के झरने से जुड़ा एक मंदिर माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूरे ब्रिटेन में, रोमन अक्सर पवित्र स्थलों पर मंदिरों का निर्माण किया करते थे। हाल ही में ईराक में खोजकर्ताओं ने जमीन में धंसा 4,500 साल पुराना मंदिर खोजा था। यह प्राचीन सुमेरियन शहर गिरसू की खुदाई में खोजा गया था। इस मंदिर में कई प्राचीन चीजें भी मिली थीं। यह मंदिर मेसोपोटामिया के देवता निंगिरसु का बताया गया था। लंबे समय से अज्ञात यह मंदिर मिट्टी की ईंट से बनाया गया था, जो प्राचीन शहर गिरसू का शानदार केंद्र बिंदु था। यह अब एक पुरातात्विक स्थल है जिसे टेल्लो के नाम से जाना जाता है।

जियोर्जिया में संसद के बाद फोरेन एजेंट बिल के खिलाफ ड्रम बजाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

यूएनएससी में पाक विदेश मंत्री बिलावल ने की कश्मीर मुद्दे पर टिप्पणी, भारत से मिला करारा जवाब

इस्लामाबाद । भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में महिला, शांति और सुरक्षा के मुद्दे पर आयोजित चर्चा में पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा कश्मीर का विषय उठाने पर पाकिस्तान को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि '' ऐसे दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार' का जवाब देना भी 'अवांछित' है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा कश्मीर मुद्दे पर की गई टिप्पणी का जवाब देते हुए भारत की संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने मंगलवार को उनके बयान को ''आधारहीन और राजनीति से प्रेरित' करार दिया। उन्होंने कहा, ''अपने भाषण को समाप्त करने से पहले मैं केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा की गई ओछी, आधारहीन और राजनीति से प्रेरित टिप्पणी को खारिज करती हूं' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'महिला, शांति और सुरक्षा' विषय पर चर्चा के दौरान कम्बोज ने कहा, ''मेरा प्रतिनिधिमंडल मानता है कि ऐसे दुर्भावनापूर्ण और झूठे प्रचार का जवाब देना भी मुनासिब नहीं है। इसके विपरीत हमारा ध्यान सकारात्मक और आगे की सोच वाला होना चाहिए।

भारत-अमेरिका के दबाव में झुका चीन ! श्रीलंका के कर्जों का पुनर्गठन करने के लिए हुआ राजी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने ऐलान किया है कि चीन कर्जों का पुर्नगठन करने के लिए राजी हो गया है। आर्थिक रूप से डिफॉल्ट हो चुके श्रीलंका को 2.9 अरब डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पैकेज की जरूरत है। श्रीलंका के लिए इस पैकेज को हासिल करने में चीन सबसे बड़ी बाधा बना हुआ था। करीब दो महीने नखरे दिखाने के बाद अब चीन अपने कर्ज का पुनर्गठन करने को राजी हो गया है। दरअसल, भारत ने जी20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में श्रीलंका और पाकिस्तान के कर्ज का मुद्दा उठाया था। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के चौतरफा दबाव के बाद चीन को अपना अड़ियल रवैया छोड़ना पड़ा है।

चीन ने श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम में मदद करने का आश्वासन दिया है। चीन के कर्ज को पुनर्गठित करने से अब श्रीलंका को IMF से कर्ज मिलना आसान हो जाएगा। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने मंगलवार को संसद को सूचित किया कि सरकार को सोमवार रात चीनी एक्जिम बैंक से आश्वासन पत्र मिला है जिसे तुरंत ढ्रस्त्र को भेज दिया गया है। विक्रमसिंघे, जिनके पास वित्त विभाग भी है, ने आश्वासन दिया कि एक बार IMF समझौता हो जाने के बाद, सौदा सरकार की भविष्य की योजना और रोड मैप के मसौदे के साथ संसद में पेश किया जाएगा। द्वीप राष्ट्र श्रीलंका को चीन ने सबसे ज्यादा कर्ज दिया है।श्रीलंका के कुल लोन का 52 प्रतिशत चीन का है। इसके चलते श्रीलंका को आईएमएफ से मिलने वाले बेलआउट पैकेज बाधा बन रही थी।

जनवरी में श्रीलंका में अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने बेलआउट पाने के लिए आईएमएफ की शर्तों तक पहुंचने के श्रीलंका के प्रयास का जिक्र करते हुए चीन से स्पॉइलर नहीं बनने का आग्रह किया था। उन्होंने शिकायत की थी, 'श्रीलंकाई लोगों की खातिर, हम निश्चित रूप से आशा करते हैं कि चीन आईएमएफ समझौते को आगे बढ़ने में रोड़ा नहीं अटकाएगा।' जनवरी में क साक्षात्कार में अमेरिकी राजदूत ने दावा किया कि श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन के संबंध में आगे बढ़ने का बड़ा दायित्व, सबसे बड़े द्विपक्षीय ऋणदाता के रूप में चीन पर था। राजदूत चुंग ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि वे देरी नहीं करेंगे क्योंकि श्रीलंका के पास देरी करने का समय नहीं है। उन्हें इन आश्वासनों की तत्काल आवश्यकता है।' संकटग्रस्त देश के निकटतम पड़ोसी भारत का बकाया ऋण पिछले साल जून तक लगभग 1.7 अरब डॉलर था। भारत ने भी ढ्रस्त्र को अपना आश्वासन दे दिया था।

चीन में अल्पसंख्यकों के अधिकार संबंधी मुद्दों को लेकर 'संवाद के रास्ते' खुले : वोल्कर

ताइपे (एजेंसी) जिनेवाः संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के नए प्रमुख वोल्कर तुर्क ने मंगलवार को कहा कि उनके कार्यालय ने चीन में उइगर मुस्लिमों सहित अल्पसंख्यकों के अधिकारों संबंधी मुद्दों को लेकर 'संवाद के रास्ते% खोले हैं। उन्होंने साथ ही स्वीकार किया कि यह उन कार्यकर्ताओं की उम्मीदों के अनुकूल नहीं है जो चीन को और सख्त संदेश देने के पक्षधर हैं। वोल्कर ने यह भी नहीं बताया कि उनके कार्यालय की चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र को लेकर पिछले अगस्त में उनकी पूर्ववर्ती मिशेल बैशलेट द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के संबंध में क्या योजना है।

रिपोर्ट में शिनजियांग में उइगर और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ 'मानवता के खिलाफ अपराध' का संकेत दिया गया है। तुर्क ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने चीन में मनमाने तरीके से लोगों को कथित तौर पर हिरासत में रखने जैसी चिंताओं पर गौर किया है और उन्होंने इस संबंध में ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को दबाने के लिए लाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रभाव पर भी चिंता जताई।

यूएन में भारत की राजदूत ने कहा- पीएम मोदी का मानना है कि 'महिलाएं सिर्फ गृहिणी नहीं राष्ट्र-निर्माता भी'

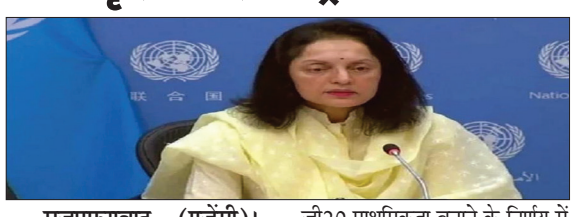

मुजफ्फराबाद (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत की स्थायी राजदूत रुचिरा कंबोज ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की स्थिति को लेकर एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का मानना है कि महिलाएं न केवल 'गृहिणी' हैं बल्कि राष्ट्र निर्माता भी हैं। कंबोज ने कहा, 'आज, नए भारत में महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने वाले अत्याधुनिक तकनीकों का जाल बिछा हुआ है। यह भारत के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मुमकिन हो पाया है क्योंकि उनका स्पष्ट मानना है कि महिलाओं को सिर्फ गृहिणी नहीं बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माता के रूप में भी देखा जाना चाहिए।'

संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधि रुचिरा ने आगे कहा, 'भारत महिलाओं के विकास के मॉडल से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास में परिवर्तित हो रहा है। इस विकास को हमारी अध्यक्षता में जी20 प्राथमिकता बनाने के निर्णय में परिलक्षित होता है। अगर हमें भविष्य के लिए तैयार रहना है, तो महिलाओं को चर्चा और निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में रखने पर ध्यान देना चाहिए। और हमें लैंगिक समानता को एक वास्तविकता बनाने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

पीएम मोदी का मानना है कि महिलाओं के बिना वैश्विक विकास संभव नहीं है।' रुचिरा ने आगे कहा कि पीएम मोदी के मुताबिक हमें अपने जी-20 एजेंडे में भी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को प्राथमिकता देनी है। शांति और सुरक्षा के बिना, हमारी आने वाली पीढ़ियां आर्थिक विकास या तकनीकी नवाचार का लाभ नहीं उठा पाएंगी। उन्होंने कहा, जी-20 को शांति और सद्भाव के पक्ष में एक मजबूत संदेश देना है। ये सभी प्राथमिकताएं भारत की जी-20 की अध्यक्षता की थीम - 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' में पूरी तरह से सन्निहित हैं।'

जिनपिंग की जीरो कोविड नीति को चुनौती देने वाले ली कियांग बनेंगे चीन के अगले प्रधानमंत्री

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद ली कियांग देश के दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता बनने वाले हैं। चीन के नौकरशाह रहे ली कियांग अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। अक्टूबर में चीन की नंबर-2 भूमिका के लिए उन्हें तब चुना गया था, जब शी ने वफादारों के साथ एक नेतृत्व खाका पेश किया था। ली के करीबी जानकारों का कहना है कि वह व्यावहारिक दिमाग वाले, एक प्रभावी नौकरशाही को चलाने वाले और निजी क्षेत्र के समर्थक हैं। लिहाजा, वह चीन के कुछ सबसे आर्थिक रूप से गतिशील क्षेत्रों के प्रभारी रहे।

पिछले साल जब ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में मंच पर ली कियांग ने शी जिनपिंग के साथ कदम रखा था तो यह साफ हो गया कि इन्हें पोलित ब्यूरो स्थायी समिति में दूसरी रैंकिंग दी गई है। ली कियांग सेवानिवृत्त होने वाले ली केकियांग की जगह लेंगे। माना जाता है कि केकियांग को तेजी से दरकिनार कर दिया गया क्योंकि शी ने अर्थव्यवस्था के प्रबंधन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। नेतृत्व पर नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि शी के साथ ली कियांग की निकटता एक ताकत और भेद्यता दोनों है। उनके पास शी का भरोसा है, वह अपने लंबे समय तक संरक्षक के प्रति शी के आभारी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जीरो कोविड पॉलिसी ख़त्म करने को लेकर जब चीन के शीर्ष अधिकारी और चिकित्सा विशेषज्ञ राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ रणनीति बना रहे थे तब ली कियांग ने बेहद महत्वपूर्ण किरदार निभाया था। इससे पहले शी ने नवंबर में हुए विरोध प्रदर्शनों को संभालने की जिम्मेदारी ली को दी थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया कि लॉकडाउन को खत्म किया जाए। सूत्रों की मानें तो नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की चल रही बैठक के दौरान ली की शनिवार को प्रीमियर के रूप में पुष्टि की जाने वाली है। पूर्व में शंघाई में कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख रहे ली अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

पंजाब में ऐतिहासिक रैली के साथ चुनाव अभियान का आगाज करेगी इमरान की पार्टी

इस्लामाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने देश में पंजाब के आगामी प्रांतीय चुनावों के लिए बुधवार से औपचारिक रूप से चुनाव अभियान शुरू करने के वास्ते लाहौर में एक 'ऐतिहासिक' रैली के आयोजन की घोषणा की है। पाकिस्तानी मीडिया में सोमवार को प्रकाशित खबरों में यह जानकारी दी गई है। 'द डॉन' अखबार में प्रकाशित खबर में पीटीआई नेता हम्माद अजहर के हवाले से कहा गया है कि इमरान एक बम रोधी एवं बुलेटप्रूफ वाहन में सवार होकर रैली में हिस्सा लेंगे। यह कदम पूर्व प्रधानमंत्री को जान का खतरा होने की बात को रेखांकित करता है। 'जियो न्यूज' की खबर में बताया गया है कि रैली क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान के, लाहौर के जमान पार्क स्थित आवास से शुरू होकर दाता दरबार में खत्म होगी।

वसंत ऋतु के आगमन पर बखमुत शहर में आर-पार की लड़ाई

लंदन (एजेंसी)। यूक्रेन में ठंड का मौसम खत्म होने को है, ऐसे में रूस बखमुत शहर पर कब्जा करने के मुख्य लक्ष्य के साथ डोनबास क्षेत्र में सिलसिलेवार तरीके से आगे बढ़ रहा है। बखमुत शहर का क्षेत्रीय परिवहन केंद्र के रूप में तो कुछ (सीमित) रणनीतिक महत्व है, लेकिन प्रतीकात्मक और भौतिक रूप से यह इतना कीमती नहीं है, जिसके लिए रूस जी-जान लगा रहा है। रूसी सेनाएं इस शहर में एक ही क्षेत्र में एक एक कर आगे बढ़ रही हैं, लेकिन मामूली बढ़त बनाने के लिए भी उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। इस बीच, मौसम भी अपनी भूमिका निभा रहा है।

यूक्रेन में व्लादिमीर पुतिन के इस विशेष अभियान को एक साल पूरा हो चुका है, ऐसे में रूसी सेनाएं अब भी उन्हीं परिस्थितियों का सामना कर रही हैं, जिनके चलते 2022 में उन्हें मिली शुरुआती बढ़त पर पानी फिर गया था। इतिहास गवाह रहा है कि इस क्षेत्र में सर्दी का मौसम खत्म होने पर सैन्य अभियानों की गति तय होती है। अतीत में, 'रासपुतित्सा' (बर्फ पिघलने पर कीचड़ जमा होने का समय) मंगोलों और नेपोलियनकी विशाल सेना के लिए तबाही लेकर आया था।यहां तक कि द्वितीय विश्व युद्ध में भी'रासपुतित्सा' नेमहत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस दौरान 1941 में मॉस्को नेनाजी जर्मनी को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था। यह मौसम किसी पर रहम नहीं करता। कई बार सोवियत सेना को भी इसकी मार झेली पड़ीऔर उसके अभियानों पर पानी फिर गया। वसंत का मौसम कितना महत्वपूर्ण है, इसे समझने के लिए बहुत पुराना इतिहास खंगालने की जरूरत नहीं है। पिछले साल सर्दी के मौसम और रूसी थलसेना की खराब हालत के चलते रूस को मुख्य राजमार्गों के जरिए कीव पर शुरुआती हमले करने पड़े थे। रूसी सेनाएं जब मुख्य सड़कों से होती हुई यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर बढ़ रही थीं, तो उन्होंने राजमार्गों पर घिरने की आशंका के मद्देनजरबड़ी संख्या में टैंक और अन्य साजो-सामान भेजने का निर्णय लिया था।

इस दौरान रूसी सेना के कई वाहन नष्ट हो गए या उन्हें त्याग दिया गया। ऐसे में यह कहना उचित होगा कि मौसम के कारण शुरुआत में रूस कोनिस्संदेह विफलताओं का सामना करना पड़ा। एक साल बीत जाने के बाद बर्फ पिघलने के कारण जमा हुई कीचड़ फिर से रूसी कार्रवाई को बाधित कर रही है। लिहाजा, रूसी सेना उन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है जहां वे पहुंच सकते हैं और वास्तविक रूप से हमला कर सकते हैं। रेलहेड (वह स्थान जहां सैन्य साजो-सामान उतारा और वितरित किया जाता है) के काफी करीब होने और सड़क मार्ग की मौजूदगी के कारण बखमुत रूसी परिप्रेक्ष्य के अनुसार अपेक्षाकृत सुलभ है।

यह अग्रिम पंक्ति के उन कुछेक स्थानों में से एक है जहां रूस खराब मौसम में प्रभावी रूप से साजो-सामान की आपूर्ति कर सकता है, यही कारण है कि पूरी सर्दी और अब वसंत ऋतु में यहां दोनों ओर से हमले तेज हुए हैं। बखमुत से रूस के लगाव के पीछे जो भी कारण हो, लेकिन यहां छिड़ी लड़ाई यूक्रेन के लिए भी प्रतीकात्मक नजरिए से महत्वपूर्ण है। अपने शीर्ष जनरलों के साथ परामर्श के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने और अधिक सैनिक बखमुत भेजने को आदेश दिया है। बखमुत में आगे चाहे जो कुछ भी हो, लेकिन एक बात साफ है कि 'रासपुतित्सा' काल खत्म होने के बाद इस शहर में लड़ाई और तेज होगी। अप्रैल के अंत तक रूस और यूक्रेन गर्म, शुष्क मौसम का लाभ उठाने की कोशिश करेंगे।

टिपरा मोठा के प्रमुख प्रद्योत किशोर देबबर्मा ने शाह से मुलाकात की

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बुधवार को यहां राजकीय अतिथि गृह में टिपरा मोठा के प्रमुख प्रद्योत किशोर देबबर्मा के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। बैठक अब भी जारी है। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भाजपा के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और त्रिपुरा के नए मुख्यमंत्री माणिक साहा भी शामिल हैं। त्रिपुरा के पूर्व शासक परिवार के वंशज देबबर्मा लंबे समय से 'तिप्रसा' नाम से एक अलग राज्य बनाने की अपनी पार्टी की मांग के फ्संवैधानिक समाधानफ्त का अनुरोध कर रहे हैं। टिपरा मोठा ने हाल ही में संपन्न 60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा के चुनाव में 13 सीटें जीती हैं। माना जा रहा है कि बैठकमें देबबर्मा छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। ऐसे में जबकि भाजपा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह छोटे राज्य त्रिपुरा के विभाजन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है वहीं, उसके नेतृत्व ने त्रिपुरा जनजातीय स्वायत्त परिषद को अधिक विधायी, वित्तीय और कार्यकारी शक्तियां देने की इच्छा व्यक्त की है। त्रिपुरा जनजातीय स्वायत्त परिषद फिलहाल अस्तित्व में है और राज्य में आदिवासी समुदायों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में मामलों को देखती है।

अतीक के भाई अशरफ को जेल में अवैध तरीके से सामान पहुंचाने के आरोप में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहुबली अतीक अहमद के भाई अशरफ की अपने करीबी सहयोगियों से अवैध तरीके से मुलाकात कराने और सामान पहुंचाने के आरोप में जिला जेल के बंदी रक्षक सहित दो लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। बरेली की थाना बिथरी चैनपुर पुलिस ने नई जिला जेल/केंद्रीय कारागार-2 की कैंटीन में सामान की आपूर्ति करने वाले अशरफ के करीबी साथी और एक बंदी रक्षक को मंगलवार अपराह्न में गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, जेल की कैंटीन में सामान ले जाने वाला दयाराम कथित तौर पर जेल में अशरफ को रुपये व सामान पहुंचाता था और बंदीरक्षक करीबियों से उसकी अवैध तरीके से मुलाकात कराता था। इस मामले में थाना बिथरी चैनपुर में अशरफ समेत पांच नामजद के अलावा जेल के अज्ञात अधिकारी-कर्मचारी और अशरफ के अज्ञात गुर्गों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। बरेली के पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि यह रिपोर्ट नई जेल के चौकी प्रभारी अनिल कुमार की तहरीर पर दर्ज की गई है। इसमें अतीक अहमद के जेल में बंद भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ, अशरफ के साले सद्दाम, लल्ला गद्दी, जेल की कैंटीन में सामान की आपूर्ति करने वाला दयाराम उर्फ नन्हे, बंदीरक्षक शिवहरि अवस्थी को नामजद किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जेल के अज्ञात अधिकारी-कर्मचारी और अशरफ के अज्ञात साथियों को भी इसमें आरोपी बनाया गया है।

सीएम स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से 16 भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए अनुरोध किया

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तमिलनाडु के छह मछुआरों समेत उन 16 भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया, जिन्हें ब्रिटिश हिंद महासागरीय क्षेत्र (बीआईओटी) के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। स्टालिन ने मोदी को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु के छह, केरल के सात और पश्चिम बंगाल के तीन मछुआरे गत नौ फरवरी को तमिलनाडु के थेंगापट्टिनम बंदरगाह से मछली पकड़ने के लिए निकले थे। उन्होंने कहा कि ये सभी 'सेंट मैरी' नौका पर सवार थे। उन्होंने कहा, ''जब वे 23 फरवरी को गहरे समुद्र के पानी में मछली पकड़ रहे थे, तो डिएगो गार्सिया में बीआईओटी के अधिकारियों ने भारतीय मछुआरों को उनकी नौका समेत पकड़ा लिया था।'' स्टालिन ने कहा कि पकड़े गए ये लोग अपनी आजीविका के लिए मछली पकड़ने के काम निर्भर हैं और इस गिरफ्तारी ने उनके परिवारों को कठिनाई में डाल दिया है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया विदेश मंत्रालय को राजनयिक माध्यमों का उपयोग करते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामले को उठाने का निर्देश दें ताकि 16 भारतीय मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित हो सके।

सड़क दुर्घटना में दो बच्चों की मौत, माता-पिता गम्भीर रूप से घायल

मथुरा। मथुरा जिले के फरह क्षेत्र में आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घटना में मोटरसाइकिल सवार दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बुधवार को बताया कि महेंद्र सिंह हरियाणा के फरीदाबाद से मंगलवार देर रात अपनी पत्नी नीलम और दो बच्चों- पांच वर्षीय कान्हा तथा तीन साल की बेटी संध्या को मोटरसाइकिल से फिरोजाबाद के जसराना कस्बा ले जा रहा था लेकिन रास्ते में मथुरा से करीब 20 किलोमीटर दूर कुरकंदा गांव के पास पीछे से आ रही बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।' उन्होंने बताया कि दुर्घटना में दोनों बच्चे सड़क पर जा गिरे और वहां से गुजर रहे वाहनों की चपेट में आ गये। अधिकारी के मुताबिक, इस घटना में महेंद्र और नीलम भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों घायलों को फरह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुंबई में नौसेना के हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग, तीन कर्मियों को बचाया गया

मुंबई। भारतीय नौसेना के एक हेलीकॉप्टर को बुधवार को मुंबई के तट पर आपात स्थिति में उतारा गया और इसमें सवार तीन कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस आधुनिक 'लाइट हेलीकॉप्टर' (एएलएच) ने नियमित उड़ान भरी थी और तट के निकट उतरा। अधिकारी ने बताया कि नौसेना के गश्ती विमान द्वारा तत्काल यह सुनिश्चित किया गया कि चालक दल के तीन सदस्यों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित बाहर निकाला जाए। उनका कहना है कि इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए है।

तिरुवनंतपुरम में हजारों महिलाओं ने मनाया अट्टुकल पोंगाला

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम मंगलवार को 'यज्ञशाला' जैसी नजर आ रही थी जहां राज्य के विभिन्न हिस्सों की महिला श्रद्धालुओं ने 'अट्टुकल पोंगाला' मनाने के लिए सड़कों पर ईंट के चूल्हे बनाए और उन पर 'पोंगला' तैयार किया। यहां अट्टकुल भगवती मंदिर के आसपास ईंट के कई चूल्हे बनाये गये थे। उन चूल्हों पर महिलाओं ने देवी को चढ़ाने के लिए प्रसाद तैयार किया। वैसे तो पिछले दो सालों में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के चलते महिलाओं ने अपने घरों में 'पोंगला' तैयार कर यह त्योहार मनाया था लेकिन इस बार टीवी कलाकारों और फिल्मी सितारों समेत केरल तथा पड़ोसी राज्य तमिलनाडु से भी हजारों महिलाएं पूरे धार्मिक उल्लास से यह पर्व मनाने के लिए यहां पहुंचीं। संयोग से इस बार यह त्योहार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पहले आया है। होली आठ मार्च को है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी आठ मार्च को मनाया जाता है। मिट्टी या धातु के नये बर्तनों में चावल, गुड़ और नारियल का चूरा एवं कई अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर 'पोंगला' पकाया गया। मुख्य पुरोहित द्वारा अट्टकुल मंदिर में मुख्य चूल्हे 'पांडारा अडूप्पू' को प्रज्ज्वलित करने के बाद सुबह दस बजकर करीब 40 मिनट पर यह त्योहार शुरू हुआ। उसके बाद हजारों महिलाओं ने अपने चूल्हे जलाये और 'पोंगला' या 'पायसम' और 'थेराली' जैसे व्यंजन बनाने लगीं। पर्व का समापन दोपहर बाद मुख्य पुरोहितों द्वारा पवित्र जल छिड़कने के बाद उपयुक्त समय पर होता है। पोंगला उत्सव इस धर्मस्थल पर दस दिवसीय पारंपरिक रीति-रिवाज का आखिरी चरण है। यहां अट्टकुल मंदिर में वार्षिक त्योहार के रूप में 'पोंगला' तैयार करना एक ऐसा रिवाज है जिसे पूरी तरह महिलाएं ही निभाती हैं। इस मंदिर को 'महिलाओं का सबरीमला' भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए है कि यह महिलाएं ही रीति-रिवाज निभाती हैं। उधर सबरीमाला में भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रमुख रूप से पुरूष ही तीर्थाटन करते हैं।

क्या दूसरा विकास दुबे काण्ड करेगी उप्र सरकार : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस द्वारा अब तक की गयी कार्रवाई से जनता में कानून के राज को लेकर व्यापक संदेह पैदा हो गया है और पूरा देश देख रहा है कि क्या सरकार अपराधियों को सड़क पर खत्म करने का तरीका अपनायेगी। मायावती ने दो सिलसिलेवार ट्वीट में उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस की कार्रवाई पर गम्भीर सवाल उठाये हैं।

उन्होंने कहा, प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकाण्ड के बाद इस संबंध में काफी आपाधापी में अब तक की गई पुलिस कार्रवाई जो जनता के सामने आई है, उससे लोगों के बीच प्रदेश में कानून के राज के प्रति भारी संदेह है कि क्या सरकार अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए दूसरा विकास दुबे काण्ड करेगी। विकास दुबे जुलाई 2020 में कानपुर देहात के बिकरू गांव में आठ पुलिसकर्मियों की घात लगाकर हत्या किये जाने के मामले में मुख्य अभियुक्त था। मध्यप्रदेश से कानपुर लाते वक्त रास्ते में राज्य पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ हुई कथित मुठभेड़ में मारा गया।

प्रयागराज में पिछले महीने हुए उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों के हत्याकांड के मामले में प्रमुख अभियुक्त पूर्व सांसद अतीक अहमद के परिजन ने अहमद, उसके भाई और बेटों की फर्जी मुठभेड़ में हत्या किये जाने की आशंका जाहिर की है। मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा वैसे पुराने राजू पाल हत्याकाण्ड के गवाह उमेश पाल की दिनदहाड़े हुई हत्या को लेकर सरकार कानून-व्यवस्था के मामले मेंकाफी तनाव एवं दबाव में है, मगर पूरा देश देख रहा है कि क्या सरकार कानून द्वारा कानून के राज पर अमल करेगी या अपराधियों को सड़क पर समाप्त करके अपराध रोकेगी?

गौरतलब है कि गत 24 फरवरी को प्रयागराज में एक दुस्साहसिक वारदात में हथियारबंद बदमाशों ने पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के प्रमुख गवाह उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उमेश पाल की पत्नी जया पाल की शिकायत पर धूमनगंज थाने में पूर्व सांसद अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन, उसके दो बेटों, उसके साथी गुड्डू मुस्लिम और गुलाम तथा नौ अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले में शामिल बताये जा रहे अरबाज और विजय चौधरी क्रमशः गत 27 फरवरी और छह मार्च को पुलिस के साथ हुई कथित मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। अतीक अहमद के परिजन ने सोमवार को प्रयागराज में संवाददाता सम्मेलन में अहमद, उसके भाइयों और बेटों को फर्जी मुठभेड़ में मारे जाने की आशंका जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार लगायी थी।

सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को लेकर चिंतित नहीं, बल्कि देश को लेकर चिंतित हूं: केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को लूटने वालों को गले लगा रहे, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जैसे राष्ट्रवादियों को जेल भेज रहे, देश के हालात को लेकर चिंतित हूं। केजरीवाल ने कहा कि वह देश के कल्याण के लिए होली पर पूरे दिन पूजा करेंगे; उन्होंने लोगों से उनके साथ पूजा में शामिल होने का आह्वान किया। सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को लेकर चिंतित नहीं हूं, बल्कि देश की स्थिति को लेकर चिंतित हूं।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों का बुरा हाल

उन्होंने कहा, सभी जानते हैं कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों का बुरा हाल है... लेकिन इन सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को सुधारने वाले दो लोग-मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन-जेल में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चिंताजनक है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लिए अच्छा काम करने वालों को जेल में डाल दिया है, जबकि देश को लूटने वालों को गले लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, होली पर मैं देश की दयनीय स्थिति में सुधार के लिए ध्यान और प्रार्थना करूंगा।

मैं सिसोदिया और जैन के जेल में होने को लेकर चिंतित नहीं हूं

अगर आपको भी लगता है कि प्रधानमंत्री सही तरह से काम नहीं कर रहे हैं, तो आप भी होली का त्योहार मनाने के बाद देश के लिए प्रार्थना करें। केजरीवाल ने कहा, मैं सिसोदिया और जैन के जेल में होने को लेकर चिंतित नहीं हूं। वे बहादुर लोग हैं, जो देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं। लेकिन देश के हालात मुझे चिंता में डालते हैं। सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस साल 26 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। उन्हें सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। वहीं, जैन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले में पिछले साल मई में गिरफ्तार किया था। सिसोदिया और जैन ने हाल ही में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

प्रयागराज हत्याकांड को लेकर अखिलेश ने भाजपा पर निशाना साधा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रयागराज हत्याकांड में मृतक भाजपा का सदस्य था व पैसे के मामले में जिसका नाम आ रहा है, वह भी भाजपा के ही मंत्री हैं। अखिलेश यादव ने एक ट्वीट में कहा, ''इलाहाबाद हत्याकांड में मृतक भाजपा का सदस्य था व पैसे के मामले में जिसका नाम आ रहा है वो भी भाजपा के ही मंत्री हैं। आखिर मुठभेड़ करके सरकार कौन सा राज छुपा रही है? अब जो भाजपा की छवि की मिट्टी-पलीद कर रहे हैं, वो भाजपाई कब मिट्टी में मिलाए जाएंगे या मंत्री-पद से हटाएं जाएंगे?''

अधिकारियों ने कहा था कि बसपा के पूर्व विधायक राजू पाल की हत्या के मुख्य गवाह उमेश पाल पर पहली गोली चलाने वाला व्यक्ति सोमवार तड़के प्रयागराज पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया था कि मुठभेड़ के दौरान विजय चौधरी उर्फ उस्मान के गर्दन, सीने और जांघ में गोली लगी। उस्मान की पत्नी सुहानी ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि सोमवार को उसे फर्जी मुठभेड़ में मार डाला गया।

इस बीच, सोमवार को प्रयागराज में आयोजित पत्रकार वार्ता में अतीक अहमद की बहन आयशा नूरी ने प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी पर शाइस्ता परवीन को मामले में उलझाने के लिए उमेश पाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया, ताकि वह बसपा के टिकट पर महापौर का अगला चुनाव न लड़ सकें। आयशा ने प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर अतीक अहमद का पांच करोड़ रुपये उधारी नहीं लौटाने का भी आरोप लगाया था।

नगर की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी पर उमेश पाल हत्याकांड का षड़यंत्र रचने के आयशा नूरी के आरोप का जवाब देते हुए अभिलाषा के पति और प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ट्वीट कर सोमवार को कहा था कि ये बातें मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने और गुमराह करने का असफल प्रयास मात्र है।

महाराष्ट्र में सामने आया 'तीन तलाक' का मामला, पुलिस ने शौहर और उसकी मंगेतर के खिलाफ दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पत्नी को कथित तौर पर एक बार में तीन तलाक कहने के लिए एक व्यक्ति और उसकी मंगेतर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि संसद ने एक अगस्त, 2019 को एक विधेयक को मंजूरी दी थी जिसमें तीन तलाक को अपराध की श्रेणी में रखने का प्रावधान किया गया था। इस मामले में महिला की शिकायत के अनुसार, 26 फरवरी की रात उसके पति और मंगेतर ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया था। महिला ने पुलिस को बताया कि भिवंडी में रहने वाले उसके पति ने दुर्व्यवहार करने के बाद फ्तलाक-तलाक-तलाकफ्त कहा और बताया कि उसने विवाह खत्म कर दिया है। भिवंडी शहर थाने के प्रभारी ने कहा कि व्यक्ति और उसकी मंगेतर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

लालू प्रसाद की बेटी ने कहा, प्रताड़ित किया जा रहा है पापा को

नई दिल्ली। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने मंगलवार को केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर अपने बीमार वृद्ध पिता को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सिंगापुर में रहने वाली रोहिणी ने लालू के रेल मंत्रित्व काल में 'नौकरी के बदले भूखंड' मामले में सीबीआई द्वारा अपने पिता से पूछताछ किए जाने पर ट्विटर के जरिये अपनी पीड़ा व्यक्त की। रोहिणी ने ट्वीट कर कहा, ''पापा को ये लोग तंग कर रहे हैं अगर उनके तंग करने के कारण उन्हें ज़रा भी परेशानी होगी तो दिल्ली की कुर्सी हिला देंगे। अब बर्दाश्त करने की सीमा जवाब दे रही है।'' पिता के लिये अपनी किडनी दान करने वाली रोहिणी ने कहा, ''पापा को लगातार परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कुछ हुआ तो मैं किसी को नहीं छोड़ूंगी।'' केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को रोहिणी की मां राबड़ी देवी से पटना स्थित आवास पर पूछताछ की थी, उसके बाद बड़ी बहन मीसा भारती के दिल्ली स्थित घर पर गयी थी। लालू का पिछले साल सिंगापुर में गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ था और वह एक महीने पहले वह भारत लौटे थे। संक्रमण के जोखिम से बचने के लिये पूर्व रेल मंत्री अपनी बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ रहते हैं, मीसा राज्यसभा सदस्य हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली रोहिणी ने एक और भावनात्मक ट्वीट करते हुए कहा, ''पापा को तंग कर रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। यह सब याद रखा जाएगा। समय बलवान होता है, उसमें बड़ी ताकत होती है। यह याद रखना होगा।'' लालू के परिवार और समर्थकों का आरोप है कि कानूनी तकरार भाजपा के राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम है क्योंकि राजद अध्यक्ष ने भगवा दल का हमेशा विरोध किया है।

पंजाब में बीजेपी कानून व्यवस्था को लेकर नौ मार्च को करेगी विधानसभा का घेराव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब में 'बिगड़ती' कानून व्यवस्था स्थिति के खिलाफ नौ मार्च को बजट सत्र के दौरान विधानसभा के सामने प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। वरिष्ठ पार्टी नेता अश्विनी शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब से पंजाब में भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सत्ता में आयी है तब से, वह भाईचारा कमजोर करने पर तुली है तथा विभाजनकारी एजेंडे पर चलने वाली शक्तियां अपना सिर उठा रही हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शर्मा ने कहा, '' पंजाब को विभाजित करने की बात करने वाली ये शक्तियां सोशल मीडिया एवं अन्य मंचों का उपयोग कर रही हैं लेकिन सरकार चुपचाप बैठी है।'' उन्होंने अमृतसर के अजनाला की पिछले महीने की घटना का भी जिक्र किया जब खालिस्तानियों से सहानुभूति रखने वाले उपदेशक अमृतपाल सिंह और उसके समर्थक अपने साथियों की रिहाई के लिए पुलिस से उलझ गये थे। इन लोगों के हाथों में तलवार एवं बंदूकें थीं। शर्मा ने इस घटना में प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, '' पंजाब में आतंकवाद के दौर में भी यह नहीं देखा गया कि थाने का घेराव किया गया हो और पुलिसकर्मी खुद को असहाय स्थिति में पा रहे हों।'' उन्होंने दावा किया कि कानून का शासन नहीं है और अपराधी बेखौफ घूम रहे है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार कहती है कि वह स्थिति पर नजर रख रही है लेकिन प्रश्न उठता है कि ''वह कार्रवाई क्यों नहीं करती है।'' उन्होंने कहा, '' नौ मार्च को हम विधानसभा का घेराव करने के लिए यहां पार्टी कार्यालय से कूच करेंगे ताकि सरकार निद्रा से जागे।

राहुल जी भारत का अपमान करना बंद करें, देश आपको बार-बार हराता है तो इसका गुस्सा विदेश जाकर न निकालें...बीजेपी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के ब्रिटेन में भाषणों को लेकर आज गहरा रोष जाहिर किया और कहा कि राहुल गांधी अराजक एवं माओवादी विचारधारा के प्रभाव में हैं। भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से सवाल किया कि क्या वे भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के आह्वान से सहमत हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा कि राहुल गांधी जी विदेश जाते ही आपको हो क्या जाता है? सारी मर्यादा, सारी शालीनता, लोकतांत्रिक शम... 'सब भूल जाते हैं।' अब जब देश की जनता न उनको सुनती है... न समझती है तो विदेश में जाकर विलाप करते हैं की भारत का लोकतंत्र खतरे में हैं।

प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने हाल ही में भारत जोड़ो यात्रा निकाली, उसमें खूब भाषण दिए। संसद में एक कारोबारी समूह को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध 'बहुत भद्दी' बातें कहीं। कहीं किसी ने नहीं रोका। उन्होंने कहा कि भाजपा बहुत ही दुख के साथ कहना चाहती है कि राहुल गांधी जी ने लंदन में अपने भाषणों में भारत के लोकतंत्र, संसद, राजनीतिक व्यवस्था और भारत की जनता समेत न्याय व्यवस्था और सामरिक सुरक्षा...सभी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि देश में इस बात को लेकर आम सहमति है कि भारत के आंतरिक मामलों को लेकर विदेशी हस्तक्षेप नहीं हो सकता है। लेकिन बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना एवं शर्मनाक है कि उन्होंने देश की इस भावना पर कुठाराघात किया है।

राहुल गांधी के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में बयान की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि संघ ने देश सेवा, राष्ट्र भक्ति और राष्ट्र समर्पण के लिए बहुत बड़ा काम किया है। आज देश में सत्ता के शीर्ष में विराजमान लोग इसी विचारधारा के अनुयायी हैं। इसका उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना नेहरू जी भी करते थे, इंदिरा जी भी करती थीं, राजीव जी भी करते थे और राहुल जी भी करते हैं...संघ कहां से कहां पहुंच गया और आपकी पार्टी कहां से कहां सिमट गई।

जामा मस्जिद प्रबंधन समिति ने पुलिस पर मस्जिद बंद करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर। शहर के नौहट्टा इलाके में स्थित जामा मस्जिद की प्रबंधन समिति ने बुधवार को आरोप लगाया कि अधिकारियों ने अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से शब-ए-बरात के मौके पर मस्जिद को बंद करा दिया और बाद में ऐसा करने की बात से इनकार किया। अंजुमन औकफ जामा मस्जिद ने मंगलवार को दावा किया कि पुलिस ने मस्जिद को बंद कर दिया और शब-ए-बरात पर कोई नमाज अदा नहीं करने दी गयी। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने ट्विटर पर कथित पुलिसिया कार्रवाई की आलोचना की।

उन्होंने मंगलवार देर रात ट्वीट किया, ''शब-ए-बरात के पवित्र मौके पर जामा मस्जिद को बंद करना भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन है।'' पूर्व मुख्यमंत्री के ट्वीट का जिक्र करते हुए श्रीनगर पुलिस ने कहा कि नमाज नहीं होने से उसका कोई लेना देना नहीं है। पुलिस ने ट्वीट में कहा, ''यह साफ है कि प्रशासन और पुलिस का शब-ए-बरात के मौके पर आज जामा मस्जिद में नहीं हो रही नमाज से कोई लेना देना नहीं है। ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया और ना ही प्रशासन या पुलिस ने ऐसी कोई कार्रवाई की है। कृपया अफवाह मत फैलाइए।''

मस्जिद प्रबंधन समिति ने बुधवार को कहा कि बड़े दुर्भाग्य की बात है कि मस्जिद को बंद करने और मगरिब की नमाज की इजाजत नहीं देने के बाद अधिकारी इस तरह की किसी कार्रवाई की बात से इनकार कर रहे हैं। उसने एक बयान में कहा, ''अगर स्थानीय थाने के लोगों ने मस्जिद परिसर में जाकर दरवाजों पर ताले नहीं जड़े थे तो वे लोग कौन थे, यह पूछा जाना चाहिए। दरअसल, इन पुलिसकर्मियों ने ऐसा करते समय व्यक्तिगत रूप से अफसोस जताया, लेकिन कहा कि वे जिला प्रशासन के आदेश पर ऐसा कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई